श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 199, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण | प्रयागराज | मंगलवार 13 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुन: परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान

प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

कहीं मकान ढहे तो कहीं गाड़ियां बहीं, पुल के ऊपर बह रहा पानी

धर्मशाला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में भारी बारिश और बादल फटने की घटना से तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है। एक तरफ केंद्र सरकार की ओर से एनडीआरएफ की टीमें रवाना कर दी गई हैं तो वहीं राज्य सरकार ने पर्यटकों से दुर्गम इलाकों में न जाने की अपील की है। इस बीच धर्मशाला और कांगड़ा के आसपास तमाम घर और गाडि़यां बह गई हैं।

धर्मशाला और उसके आसपास के इलाकों में कई जगहों पर नाले इतने ज्यादा बहाव में हैं कि पानी पुल के ऊपर से बह रहा है। यही नहीं एक वीडियो में दिखता है कि कैसे पेड़, मकान से लेकर तमाम चीजें पानी के बहाव में बहती चली जा रही हैं। पानी के तेज बहाव की वजह से कई जगहों पर सड़कों में भी कटाव हुआ है और यातायात ठप है। भले ही मीडिया रिपोर्ट्स में धर्मशाला में बादल फटने की बात कही जा रही है, लेकिन सीएम जयराम ठाकुर और जिला प्रशासन का कहना है कि ऐसा भारी बारिश के चलते हुआ है। दरअसल धर्मशाला में कल रात से ही तेज बारिश चल रही है, जिसने सोमवार सुबह रौद्र रूप धारण कर लिया। इसके चलते धर्मशाला के प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस भागसू नाग में गाडि़यां बहती नजर आईं और नदी-नाले उफान पर दिखे। इस सैलाब में दो लोगों के लापता होने की बात भी जिला प्रशासन ने मानी है, जिनकी तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह इस सीजन की पहली बारिश है, जो इतनी ज्यादा हुआ है। लेकिन पहली बारिश में ही सैलाब आता दिखा है।इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि 'हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बारिश की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अथॉरिटी (प्राधिकारी), राज्य सरकार के साथ लगातार काम कर रही है। सभी संभव मदद दी जा रही है। जो लोग बारिश प्रभावित इलाके में हैं, मैं उनकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं।' होम मिनिस्टर अमित शाह ने भी ट्वीट कर अपनी बात रखी है। अमित शाह ने कहा कि 'हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश से आयी प्राकृतिक आपदा के संबंध में मैंने मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर से बात की है।

नए तरह के आतंकवाद का खतरा झेल रहा है भारत, नाम है नारको टेररः अमित शाह

गांधीनगर (एजेंसी)। होम मिनिस्टर अमित शाह ने सोमवार को कहा कि यह देश नारको टेरर का खतरा झेल रहा है। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस फॉर रिसर्च एंड एनालिसिस ऑफ ड्रग्स एंड साइकोट्रॉफिक सबस्टेंसेज का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। अमित शाह ने नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी में उद्घाटन करते हुए कहा कि हमें नारको टेरर से निपटने पर फोकस करना होगा। अमित शाह ने कहा, 'पीएम नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में जब दूसरी बार केंद्र में सरकार बनी तो फिर यह फैसला लिया गया कि इस सेंटर को गुजरात फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी से अटैच किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि यह यूनिवर्सिटी दूसरे राज्यों में भी विस्तार करेगी और युवाओं को फॉरेंसिक साइंस के लिए अपना योगदान करने का अवसर मिलेगा। हम साइबर डिफेंस और बैरियाट्रिक रिसर्च के मामले में लगातार आत्मनिर्भर हो रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि देश आज नारको टेरर की चुनौती का सामना कर रहा है। होम मिनिस्टर अमित शाह ने कहा, 'भारत एक और खतरे का सामना कर रहा है। उसका नाम है- नारको टेरर। केंद्र सरकार ने यह फैसला किया है कि हम देश में नारकोटिक्स को नहीं आने देंगे। हम भारत को नारकोटिक्स का अड्डा नहीं बनने देंगे। इसे रोकना बेहद जरूरी है।

इसके साथ ही अमित शाह ने ऐसे मामलों की जांच के लिए वैज्ञानिक उपकरणों के इस्तेमाल की भी जरूरत बताई। अमित शाह ने कहा कि यह थर्ड डिग्री का दौर नहीं है। हमें क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को संगठित करना होगा। ऐसे काम में फॉरेंसिक साइंस अहम रोल अदा करेगी। किसी भी मामले में हमारी जांच ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिक सबूतों पर आधारित होनी चाहिए।

केसरवानी एण्ड सन्स

नोट- हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चारा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।

अनुपम – 8318174147 अनमोल– 6388773491

जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

जिपं अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुख अगली बार जनता चुनेगी, डिप्टी सीएम केशव मौर्य बोले-सरकार कर रही तैयारी

प्रयागराज (एजेंसी)। जिला पंचायत अध्यक्ष के शपथ ग्रहण समारोह में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुख को अगले चुनाव से सीधे जनता चुनेगी। शपथ ग्रहण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सीधे तो नहीं, लेकिन इशारों में इस बात का सीधा संकेत दिया कि इसके प्रयास शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में धनबल और बाहुबल के प्रयोग से स्थितियां काफी खराब हो जाती हैं। ऐसे में इसी दिशा में काम किया जा रहा है। इसके लिए इस बार भी प्रयास किया गया, लेकिन काफी देर हो चुकी थी। अब पांच साल का मौका है। मंच से इतर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने लखनऊ में अलकायदा के दो आतंकियों की गिरफ्तारी को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती के ट्वीट पर पलटवार किया। डिप्टी सीएम ने कहा है कि आतंकवाद और देश की सुरक्षा के मामले में मायावती और अखिलेश यादव को तुष्टीकरण की राजनीति नहीं करनी चाहिए। मायावती और अखिलेश यादव इसे चुनावी चश्मे से कतई न देखें। इस मामले में सरकार सख्त है। बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट कर अलकायदा के आतंकियों के पकड़े जाने को गंभीर मामला बताया था।उन्होंने आशंका जाहिर की थी कि चुनाव से पहले यह कार्रवाई राजनीति से प्रेरित हो सकती है।

उत्तर बिहार में चार बच्चों के साथ मां समेत 15 लोगों की डूबने से मौत, मोतिहारी में छह की जान गई

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। उत्तर बिहार के समस्तीपुर, मोतिहारी, मधुबनी और बेतिया में सोमवार को डूबने से 15 लोगों की मौत हो गई। सबसे दर्दनाक हादसा समस्तीपुर के बिथान में हुआ जहां एक महिला और उसके चार बच्चों की पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गयी। वहीं मोतिहारी के राजेपुर और चिरैया में डूबने से दो किशोर सहित छह लोगों की मौत हो गई। इधर, दरभंगा में दो और मधुबनी व बेतिया में एक-एक की डूबने से मौत हो गई। समस्तीपुर के बिथान प्रखंड के मोरकाही गांव में शाम में चौर में घास काटने जाने के दौरान एक महिला व उसके चार बच्चों की पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलते लोग चौर की ओर भागे। सूचना पर बिथान के सीओ व थाना प्रभारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। मृतकों में मोरकाही गांव के रामपुकार यादव की पतने भूखली देवी (40), कोमल कुमारी (17), दौलत कुमारी (11), पंकज कुमार (10) व गोलू कुमार (12) के रूप में पहचान की गयी है।ग्रामीणों ने बताया कि सभी घास काटने जा रहे थे। रास्ते में जेसीबी से काटी गयी मिट्टी से बने गड्ढे में पानी भरा हुआ था।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK PAN-AAFTM3349D Reg. No.: 1/2014

मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट

Misqeen Sewa Sansthan Trust

(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)

श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर

फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज

कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव–प्रयागराज, निवास ग्राम–अल्हवा, देवघाट, कोरांव–प्रयागराज 212306

Mob.: 9450613192

E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

प्रकाश हॉस्पिटल

स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव (सदस्य जिला पंचायत)

Mob.: 8858487147

पता–भीरपुर करछना, प्रयागराज

मॉनसून सेशन में संसद में आएगा जनसंख्या नियंत्रण और कॉमन सिविल कोड पर बिल, बीजेपी सांसद करेंगे पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के आगामी मॉनसून सेशन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता पर गैर सरकारी विधेयक पेश करेंगे। यह जानकारी संसद के दोनों सदनों के सचिवालयों से हासिल हुई है। जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता पर प्रस्तावित विधेयक देश में राजनीतिक विमर्श का पुराना मुद्दा रहा है। यह भाजपा के वैचारिक एजेंडे का हिस्सा भी रहा है। लोकसभा में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के प्रतिनिधि रवि किशन और राजस्थान से राज्यसभा के सदस्य किरोड़ी लाल मीणा 19 जुलाई से आरंभ हो रहे संसद सत्र के पहले सप्ताह में जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता पर गैर सरकारी विधेयक प्रस्तुत करेंगे।संसद के किसी भी सदन का सदस्य जोकि मंत्रिपरिषद का सदस्य नहीं है, वह गैर सरकारी विधेयक पेश कर सकता है। बगैर सरकार के समर्थन के ऐसे विधेयकों के पारित होने की संभावना बहुत कम होती है। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक रवि किशन और मीणा को अपने विधेयकों को पेश करने के लिए 24 जुलाई को मौका मिल सकता हैं जनसंख्या नियंत्रण पर इसी प्रकार का एक विधेयक पेश करने के लिए भाजपा के राज्यसभा सदस्य राकेश सिन्हा ने भी नोटिस दिया है। प्रस्तावित विधेयक में दो से अधिक बच्चे वालों को सरकारी नौकरियों और अन्य सरकारी सहायताओं से वंचित करने का प्रावधान है।

Reg. No. U01400UP2021PTC147142 स्थापना वर्ष – 2021

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

अश्वगंधा अकरकरा

प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।

फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B

ग्राम–कबरा, पोस्ट–डीहा, तहसील–करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय–868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज

Mob.: 9935613506

TVS XL100 Jupiter Sport Apache Wego Scooty Pep+

प्रो. शैलेन्द्र कुमार

चन्दा टीवीएस

नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।

जारी बाजार, प्रयागराज मो: 9721116002

बंगाल में अपनी मुहिम को और धार देगा संघ

प्रदेश को तीन प्रांतों में बांटा, अलग-अलग होंगे मुख्यालय

चित्रकूट (एजेंसी)। राम की तपोभूमि में चार दिन चली चिंतन बैठक के बाद संघ ने संगठन में कई अहम बदलाव किए। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद अब संघ ने वहां अपने काम में तेजी लाने के लिए इसे तीन प्रांतों में बांटा है। सभी के अलग-अलग मुख्यालय भी बनाने पर मंथन हुआ है।

बंगाल और ओडिशा की जिम्मेदारी संघ ने रमापदो पाल को सौंपी है। संघ ने गहन मंथन के बाद वरिष्ठ प्रचारक भैय्या जी जोशी को विहिप व डॉ. कृष्णगोपाल को विद्या भारती का संपर्क अधिकारी बनाया है। भैय्या जी जोशी पहले भी सरकार्यवाह रहते हुए विहिप का काम देखते थे। बंगाल के क्षेत्रीय प्रचारक अरुण कुमार को समन्वयक के पद पर भेजे जाने के बाद अब बंगाल के साथ ही ओडिशा की जिम्मेदारी रमापदो पाल को दी गई है।

अखिल भारतीय सह संपर्क बनाए गए प्रदीप जोशी का केंद्र चंडीगढ़ तय किया गया है। इसी तरह दक्षिण बंगाल के प्रांत प्रचारक जलधर महतो को सह क्षेत्र प्रचारक का दायित्व दिया गया है। संघ ने कार्य की दृष्टि से बंगाल को तीन प्रांतों में विभाजित किया है, इसमें दक्षिण बंगाल का मुख्यालय कोलकाता, मध्य बंगाल का मुख्यालय बर्धमान व उत्तर बंगाल का मुख्यालय सिलीगुड़ी बनाया गया है। सह प्रांत प्रचारक प्रशांत भट्ट को दक्षिण बंगाल का प्रांत प्रचारक बनाया गया।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, क्षेत्रीय व प्रांत प्रचारकों के साथ आखिरी दिन अनुषांगिक संगठन प्रमुखों से वर्चुअल संवाद के जरिए समीक्षा की। सभी को संघ की कायर्योजना के संबंध में बताया गया। मंगलवार को संघ प्रमुख व प्रमुख वरिष्ठ पदाधिकारी चार दिन हुई बैठक के दौरान निकले निष्कर्ष पर गहन मंथन करेंगे। इसके बाद कायर्योजना का पत्रक तैयार कर क्षेत्रीय व प्रांत प्रचारकों को भेजा जाएगा।

टेस्ट फायरिंग के दौरान फेल हुआ ब्रह्मोस मिसाइल, वजह जानने में जुटी वैज्ञानिकों की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक परीक्षण के दौरान देश का सुपरसोनिक मिसाइल ब्रह्मोस फेल हो गया। ओडिशा में ब्रह्मोस मिसाइल का यह परीक्षण किया गया था। बताया जा रहा है कि इस मिसाइल की मारक क्षमता 450 किलोमीटर तक है। इसी मारकक्षमता की जांच के दौरान सोमवार की सुबह ब्रह्मोस मिसाइल थोड़ी दूर जाने के बाद जमीन पर धाराशायी हो गया। ब्रह्मोस मिसाइल का यह परीक्षण क्यों फेल हुआ और इसकी वजह क्या थी? अब इस बात की जांच डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन और ब्रह्मोस एयरोस्पेस को-ऑपरेशन के वैज्ञानिकों की संयुक्त टीम कर रही है।बता दें कि ब्रह्मोस एक बेहद ही भरोसेमंद मिसाइलों की श्रेणी में आता है और इसक चूकने की घटना काफी कम होती है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि शुरुआती जांच पड़ताल में यह पता चला है।

सूफी आशिक बाबा

सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।

नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका नि:शुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षों का अनुभव प्राप्त।

पता: एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबर: 9793403230, 9335128224

साईं कृपा मेंस पार्लर

न्यू हेयर कट, हेयर स्ट्रेटिंग, हेयर पैच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेयर स्पा, फायर कट मॉडल मेकअप, नवरदेव मेकअप (पैकेज)

पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है।

प्रो0 उमेश शर्मा

Mob.: 7860823593

पता त्रिवेणीपुरम नियर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

कार्यालय ग्राम पंचायत रूदापुर
विकास खण्ड– सहसों, जनपद– प्रयागराज

पत्रांक– मेमो/अ0नि0/2021–22 दिनांकः 12/07/2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/केन्द्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत रूदापुर में अपराह्न 4:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0/मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600/900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का – 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर/थर्मल स्कैनर/पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान /सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

सुनीता यादव
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत रूदापुर
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

अश्वनी कुमार
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रूदापुर
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत सेमरी
विकास खण्ड– सहसों, जनपद– प्रयागराज

पत्रांक– मेमो/अ0नि0/2021–22 दिनांकः 12/07/2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/केन्द्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत सेमरी में अपराह्न 3:30 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0/मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600/900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का – 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर/थर्मल स्कैनर/पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान /सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

बलबीर सिंह
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत सेमरी
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

राम बहादुर
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सेमरी
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत थानापुर
विकास खण्ड– सहसों, जनपद– प्रयागराज

पत्रांक– मेमो/अ0नि0/2021–22 दिनांकः 12/07/2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/केन्द्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत थानापुर में अपराह्न 3:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0/मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600/900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का – 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर/थर्मल स्कैनर/पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान /सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

विजय लक्ष्मी चन्देल
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत थानापुर
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

अश्वनी कुमार
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत थानापुर
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत कपारी
विकास खण्ड– शंकरगढ़, जनपद– प्रयागराज

पत्रांक– मेमो दिनांकः 11/07/2021

अल्पकालीन निविदा –2021–22

मनरेगा/राज्य वित्त/15वां वित्त योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्यों को कराने/ सामग्री की आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत कपारी शंकरगढ़ में पंजीकृत ठेकेदारों/ सामग्री आपूर्तिकर्ताओं से निविदायें सीलबन्द लिफाफे में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 12.07.2021 से 15.07.2021 को दोपहर 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। उसी दिन सायं 4:00 बजे गठित समिति के समक्ष निविदा खोला जायेगा। नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय में कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

क्रमांक	मद योजना का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख में)	निविदा मूल्य	अवधि
1.	15वां वित्त	पूर्व मा0वि0 खान सेमरा के अवशेष कक्ष बरामदा व आफिस में टाईल्स का कार्य	2.409 लाख	500	15 दिन
2.	15वां वित्त	प्राथमिक विद्यालय खान सेमरा के अतिरिक्त कक्ष में टाइल्स कार्य	2.440 लाख	500	15 दिन
3.	मनरेगा	खान सेमरा पूर्व मा0/प्रा0 स्कूल में वृक्षारोपण व उद्यानीकरण का कार्य	2.5 लाख		

सुभाष कुमार
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत कपारी
वि0खं0 शंकरगढ़, प्रयागराज।

राजेन्द्र कुमार मौर्य
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कपारी
वि0खं0 शंकरगढ़, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत प्रतापपुर
विकास खण्ड– सहसों, जनपद– प्रयागराज

पत्रांक– मेमो/अ0नि0/2021–22 दिनांकः 12/07/2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/केन्द्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत प्रतापपुर में अपराह्न 2:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0/मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600/900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का – 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर/थर्मल स्कैनर/पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान /सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

सविता देवी
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत प्रतापपुर
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

अजय कुमार राना
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत प्रतापपुर
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत बिगहियां
विकास खण्ड– सहसों, जनपद– प्रयागराज

पत्रांक– मेमो/अ0नि0/2021–22 दिनांकः 12/07/2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/केन्द्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत बिगहियां में अपराह्न 4:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0/मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600/900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का – 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर/थर्मल स्कैनर/पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान /सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

रीता देवी
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत थानापुर
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

अश्वनी कुमार
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत थानापुर
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत ढोकरी
विकास खण्ड– फूलपुर, जनपद– प्रयागराज

पत्रांक– मेमो/अ0नि0/2021–22 दिनांकः 12/07/2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/केन्द्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत ढोकरी में अपराह्न 5:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0/मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600/900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का – 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर/थर्मल स्कैनर/पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान /सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

श्री राजू भारतीया
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत ढोकरी
वि0खं0 फूलपुर, प्रयागराज।

धीरेन्द्र कुशवाहा
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत ढोकरी
वि0खं0 फूलपुर, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत उमरीमय टटेहरा
विकास खण्ड– सहसों, जनपद– प्रयागराज

पत्रांक– मेमो/अ0नि0/2021–22 दिनांकः 12/07/2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/केन्द्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत उमरी मय टटेहरा में अपराह्न 5:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0/मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600/900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का – 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर/थर्मल स्कैनर/पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान /सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

इन्द्रपति यादव
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत उमरीमय टटेहरा
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

राम बहादुर
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत उमरीमय टटेहरा
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

पंचायत उरुवा का पद मुझे क्षेत्रीय जनता ने दोबारा सौंपा : आरती गौतम

अखंड भारत संदेश

मेजा/प्रयागराज। प्रमुख क्षेत्र पंचायत उरुवा का पद मुझे क्षेत्रीय जनता ने दोबारा सौंपा है।ङ जनता की सेवा करने का मौका अब जब फिर से मिला है। क्षेत्र की जनता के सर्वांगीण विकास के लिऐ मै जनमानस की अपेक्षाओं के लिऐ सदैव तत्पर रहूंगी।क्षेत्रीय जनता के हर संभव सहयोग व विकास हित मे हमारे दरवाजे हमेशा खुले रहेगें।हम समाजवादी लोग है।हमारे जो पैतृक संस्कार है।उसको ध्यान मे रखते हुऐ हम लोग आम जनता को दिल से सम्मान व सन्हे बराबर देते आऐं है।विषम परिस्थितियों मे भी दोबारा मिली जीत इस बात का द्योतक है कि आम जनता ने हमारे दिऐ गए सम्मान को सहेजकर रखा।जो अब समय आने पर हमें प्रमुख पद का यह सम्मान दिया है।हम सब इसके लिऐ क्षेत्रीय जनता व विकास खंड उरुवा के क्षेत्र पंचायत सदस्यों स्थानीय सपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं सहित समस्त शुभेच्छुओं का हृदय से आभार ब्यक्त करते है। यह उद्गार नवनिर्वाचित ब्लाक प्रमुख उरुवा आरती गौतम ने अपने आवास पर बधाई देने पहुंचे लोगों के बीच कही।अवगत हो कि क्षेत्र पंचायत उरुवा मे कुल 102क्षेत्र पंचायत सदस्य है।शनिवार को संपन्न हुए मतदान-मतगणना मे आरती गौतम कुल 66मत पाकर उरुवा ब्लाक प्रमुख पद पर दोबारा काबिज हुई।जीत मिलने के बाद जबसे वह अपने पैतृक आवास औंता पहुंची है।तब से उनके आवास पर बधाई देने बालों का तांता लगा हुआ है।इस अवसर पर सपा के वरिष्ठ नेता लल्लन सिंह,श्याम कृष्ण यादवङ्गपप्पूङ्ग अध्यक्ष नगर पंचायत सिरसा,दिलावर सिंह,नीरज यादव प्रधान प्रतिनिधि रामनगर,नितेश तिवारी,शिव कैलाश यादव अधिवक्ता,अंशु सिंह,सीपू सिंह,ई.बृजेश यादव,कमला प्रसाद यादव,दीपक यादव लोहारी,आदि क्षेत्रीय लोगों ने अपनी शुभकामनाएं देते हुऐ प्रसनन्ता ब्यक्त की है।

बता दें कि आरती गौतम ब्लाक प्रमुख पद प्रमाण पत्र मिलने सबसे पहले पूर्व ब्लाक प्रमुख रामस्वरूप पांडेय उर्फ बबऊ पांडेय की मूर्ति पर माल्यार्पण कर घर के लिये प्रस्थान की, जिसको लेकर क्षेत्र में चर्चा रहीं लोगों ने सराहना की

महंगाई के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

करछना। बढती भीषण मंहगाई डीजल पेट्रोल के दामों में बढोतरी के खिलाफ प.दर्शन करते कांग्रेसीयों को पुलिग ने गिरफ्तार कर भेजा जेल योगी मोदी की बरबर पुलिस गिरफ्तारी देने वालो में अरूण तिवारी जिला अध्यक्ष वसीम असारी प्रदेश सचिव डा दिनेश कुमार सोनी जिला महासचिव हसीब अहमद नागेश पाण्डे मंजू संत रबीकान दिवेदी सुरेश यादव नफीस अनवर बब्लू खान जितेन्द्र तिवारी नमस्ते यादव पवनेश कुमार सोनी दीपक तिवारी धर्म राज रतनकर बिबेक पाण्डेय रिषभ सोनकर जाहिद ,आनन्द शुक्ल आदि शामिल रहे ।

समूह का खाता खोलने के लिए दौड़ा रहा बैंक ऑफ बड़ौदा

ब्लाक समन्वयक ने उच्चाधिकारियों से की शिकायत

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। एक तरफ लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर तमाम योजनाओं का संचालन किया जा रहा है तो दूसरी तरफ इन योजनाओं के क्रियान्वयन में ही लोगों को पापड़ बेलना पड़ रहा है। लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अहम रोल अदा करने वाला बैंक भी लोगों को परेशान करने में पीछे नहीं है। इसी तरह के एक मामले में बैंक आफ बड़ौदा की दो शाखाओं पर 15 से अधिक समूहों व ग्राम संगठनों का खाता नहीं खोलने का आरोप लगाया गया है। समूह व ग्राम संगठन से जुड़े लोग पिछले छह माह से बैंक का चक्कर लगाकर थक चुके हैं। विभिनन्न माध्यमों से शिकायत करने के बाद भी जब बात नहीं बनी तो राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के ब्लाक प्रबंधक राममिलन सिंह ने उपायुक्त (स्वतः रोजगार), राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से शिकायत की है।

आरोपित है कि बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा शंकरगढ़ और नौढि़या उपरहार में समूह व ग्राम संगठनों का खाता खोलने के लिए महीनों पहले आवेदन किया गया, सभी औपचारिकताएं पूरी करवाई गई, पर खाता नहीं खुला। समय बीतने पर मामले की शिकायत संबंधित बैंक के एलडीएम से की गई, पर कोई असर नहीं हुआ और समूह व ग्राम संगठन के लोग खाता नहीं खुलने से दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। विकास खंड शंकरगढ़ के तालापार की राधा महिला समूह, कृष्णा महिला समूह, बेमरा की लक्ष्मी महिला समूह, चुंदवा के गुलाब ग्राम संगठन, खान सेमरा के आकाश ग्राम संगठन,बेमरा के परिवर्तन ग्राम संगठन, तालापार के जागृति ग्राम संगठन, बेरुई के बसंत ग्राम संगठन, देवरीबेनी के गंगा माई महिला समूह और तुलसी महिला समूह, पहा.डी कला की महालक्ष्मी महिला समूह, नौढि़या उपरहार की तिरंगा महिला समूह व विश्वास ग्राम संगठन, देवरीबेनी के प्रकाश ग्राम संगठन व साईनाथ महिला समूह का खाता बैंक आफ बड़ौदा की शाखा शंकरगढ़ व नौढि़या उपरहार में खोला जाना है। सभी औपचारिकताओं के पूरा करने के बाद भी आज तक खाता नहीं खुल सका, जिससे समूह की सारी गतिविधियां ठप पड़ी हैं।

समूह व ग्राम संगठन की महिलाओं व पुरुषों का कहना है कि समाज में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सरकार तमाम प्रयास कर रही है, लेकिन बैंकों की मनमानी की वजह से योजनाएं परवान नहीं चढ़ पा रही हैं। समूह की महिलाओं का आरोप है कि बैंक के अधिकारियों का रवैया महिलाओं के प्रति ठीक नहीं है।

प्राथमिक विद्यालय बबुरा कीं छत से टपक रहा है पानी

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत बबुरा में गांव के बच्चों को शिक्षण कार्य केलिए सरकार द्वारा गांव में पांच कमरे वाले स्कूल का निर्माण कराया गया था, जो बनने के कुछ वर्ष बाद से ही सभी कमरों में बारिश का पानी रिसाव कर कमरे में भर रहा है । ग्रामीणो ने बताया कि स्कूल निर्माण के समय सरकारी तंत्र और ठेकेदारों ने जम कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया था ।कमीशनखोरी के चलते स्कूल की बिल्डिंग निर्माण में ब्यापक पैमाने पर लूट खसोट का नतीजा है ।और इस विद्यालय में पढने वाले छात्र एवं छात्राओं सहित शिक्षकों के साथ कमजोर बिल्डिंग के चलते बडा हादसा घटित हो सकता है ।

डिप्टी सीएम के मौजूदगी में जिला पंचायत अध्यक्ष व सदस्यों ने ली गोपनीयता की शपथ

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिला पंचायत भवन सभागार में नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह और सभी पंचायत सदस्यों ने शपथ ली। जिला पंचायत अध्यक्ष को जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने शपथ दिलाई। इसके बाद सभी सदस्यों को जिला पंचायत अध्यक्ष ने शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद पंचायत अध्यक्ष ने जिले में विकास के संकल्प को दोहराया। शपथ ग्रहण समारोह डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी और केशरी देवी पटेल की मौजूदगी में हुआ।

इस अवसर पर डिप्टी सीएम ने कहा कि अब विकास कार्य ही सभी सदस्यों की प्राथमिकता में होने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में योगी सरकार अपने काम के बलबूते 300 से ज्यादा सीटें हासिल करेगी। कहा कि सौ फीसदी सीटों में 60 प्रतिशत हमारी होंगी और 40 फीसदी में बंटवारा होगा। इससे पहले पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा सिंह ने जिले की नई पंचायत को बधाई देते हुए कहा कि जनपद में विकास की गति थमेगी नहीं। सांसद केशरी देवी पटेल ने भी सदस्यों को बधाई दी।

शपथ ग्रहण समारोह के तत्काल बाद सपा सदस्यों द्वारा सभागार छोड़ दिए जाने पर केशव ने कहा कि उन्हें नहीं जाना चाहिए था। सरकार अपनी है और अपनी बात रखनी चाहिए। चुनाव में हम एक दूसरे के खिलाफ थे, लेकिन विकास के मुद्दे पर सभी को एक होना चाहिए। इस अवसर पर भदोही सांसद रमेश बिंद, विधायक विक्रमाजीत मौर्य, हर्षवर्धन बाजपेई, प्रवीण पटेल, अजय भारतीय, नीलम करवरिया, राजमणि कोल, संजय गुप्ता, सुरेंद्र चौधरी, नर सिंह, आशीष गुप्ता, विनय मिश्र के अलावा डीएम संजय कुमार खत्री, डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, सीडीओ शिपू गिरि आदि अफसर मौजूद रहे।

अपने अधिकारों को लेकर आंदोलन की राह पर मनरेगा कर्मचारी

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। वर्षों से मनरेगा कर्मचारियों की लंबित मांगों के प्रति सरकार द्वारा सार्थक निणय न लेने के कारण आक्रोशित मनरेगा कमिय्रों ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार को विकास खण्ड कार्यालय पर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी कविता तिवारी को सौंपा।

कार्यक्रम में उपस्थित बतौर मुख्य अतिथि आंगनबाड़ी संघ के जिलाध्यक्ष मौजीलाल रावत ने कहा कि संविदा कमिय्रों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में सभी विभागों के कर्मचारी व उनके परिजन सरकार से दो दो हाथ करने को तैयार हैं। तकनीकी सहायक संघ के ब्लाक अध्यक्ष बृजेश कुमार ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा मनरेगा कमिय्रों की जेम पोर्टल से नियुक्ति करने के साथ ही मेठ की भर्ती किया जा रहा है जिसका समस्त मनरेगा कर्मी पुरजोर विरोध करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लाक अध्यक्ष नूरुद्दीन हाशमी ने कहा कि आगामी 19 जुलाई को जनपद पर अपना विरोध दर्ज कराएंगे।मंडल अध्यक्ष विजय चन्द्र विश्वकर्मा, तकनीकी सहायक नन्दगोपाल यादव,मानिक सिंह, मनरेगा लेखाकार राकेश कुमार,जिला मीडिया प्रभारी हरिओम प्रकाश ने भी धरने को सम्बोधित किया। मौके पर रोजगार सेवक कोमलम सरोज,सुरेश,अनिल, उपेन्द्र पटेल,विमल कुमार,शिव बहादुर,भारत लाल,संदीप यादव, संगीता यादव, श्रीपति मौर्य,अरूण शुक्ला के साथ ही तकनीकी सहायक पननलाल,धरमू राम, काशीनाथ, विरेन्द्र सहित अन्य मनरेगा कर्मी मौजूद रहे।

कोर्ट ने दिया तलाकशुदा पति को बच्चों को अपने साथ रखने के लिए निर्देश

नशे में धुत पति ने दोनों बालकों को किया घर से बेघर, पुलिस से लगाई गुहार

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के नैनी गांव में बीते कुछ वर्ष पूर्व में गोपीगंज की रहने वाली एक युवती की शादी यहीं के रहने वाले एक युवक के साथ हुई थी। शादी के बाद सब कुछ सब कुछ सही चल रहा था। दोनों के बीच दो पुत्र हुए। उसके बाद पति पतनै के बीच घरेलू कलह के अलावा अन्य विवाद होने लगे। आरोप है कि पति नशे में धुत होकर पतनै कि आए दिन पिटाई के साथ ही प्रताडित करने लगा। उसका साथ उसके परिजन भी देने लगे। जिससे अजीज आकर पतनै ने न्यायालय में गुहार लगाई और काफी दिनों के बाद दोनों के बीच तलाकनामा हो गया। मासूम बच्चे यानी कि लगभग 12 व 13 वर्ष के दोनों बच्चे कक्षा 9 पढ़ाई करते हैं। सोमवार को छोटा पुत्र अपने ननिहाल से अपने पिता के घर पहुंचा हुआ था। जैसे ही वह अपने घर पर पहुंचा। नशे में धुत पिता ने उसे घर में घुसने नहीं दिया और अब शब्दों का बौछार करते हुए उसे घर से बाहर कर दिया। यह देख उसके बड़े भाई ने विरोध दर्ज किया तो उसके पिता समेत ससुराल से जुड़े लोगों ने उसे भी घर से बेदखल कर दिया। मामला नैनी कोतवाली में पहुंचा तो सीनियर सब इंस्पेक्टर ने मामले को संज्ञान में लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके घर पर पुलिस फोर्स को भेजा।

करछना थाने में तैनात होमगार्ड पर चाकूओ से जानलेवा हमला

अस्पताल में जिन्दगी और मौत के बीच जूझ रहा है होमगार्ड जय कृष्ण

अखंड भारत संदेश

करछना। थाने में तैनात होमगार्ड को रास्ते में घेर कर कुछ बदमाशो ने चाकूओ से वार कर जान लेवा हमला कर दिया, बदमाशो ने मृत समझ कर फरार हो गएँ ग्रामीणो की मदद् से अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के लोहदी गाँव निवासी- जय कृष्ण पाण्डेय करछना थाने में तैनात है, रविवार शाम ड्यूटी खत्म होने के बाद अपने गांव चला गया था, कुछ देर बाद शाम को सब्जी लेने के लिए बाजार गया था, सब्जी लेकर अपने घर को वापस लौट रहा था, तभी गांव के हीं कुछ बदमाशो ने घेर कर चाकूओ से हमला बोल दिया, तथा उसके शरीर पर चाकूओ से कयी वार कर मरणासन्न हालत में छोड़ कर फरार हो गयें, राहगीरों ने देखा तो उसके घर सूचना दी ।परिजनों ने मौके पर पहुंच कर पुलिस को सूचना दी, तत्काल पहुंची पुलिस जिला अस्पताल रीफर कर दिया ।जहां पर उसकी हालत गंभीर बनी हुई है । परिजनों ने गांव के ही लोगों में रोहित कुमार शर्मा पुत्र

ने होमगार्ड जय कृष्ण पाण्डेय को करछना सीएससी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ पर उसकी हालत गंभीर देख कर चिकित्सकोंने जिला अस्पताल रीफर कर दिया। मनोज कुमार शर्मा, बबुआन शर्मा पुत्र अनिल कुमार शर्मा को नामजद किया है, पुलिस ने दविश देकर रोहित कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है, एसो करछना राकेश कुमार सिंह ने बताया कि जल्द ही फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जायेगा ।

अरैल क्षेत्र का है वायरल वीडियो

अखंड भारत संदेश

नैनी। यह वीडियो नैनी कोतवाली के अंतर्गत आने वाले अरैल गांव स्थित एक देवी मंदिर का बताया जा रहा है। वीडियो में जुए की फड़ पर बैठे जुआरियों से वर्दीधारी सिपाही कमर में वायरलेस सेट लगाए हुए पैसे की डिमांड कर रहा है। हार-जीत का दांव लगा रहे लोग उसे उसका हिस्सा देकर वहां से विदा करने की बात भी कर रहे है।

बीकॉम की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान, बहन के साथ रहकर करती थी पढ़ाई

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जार्जटाउन के सोहबतियाबाग मोहल्ले में रहने वाली बीकॉम की छात्रा रेनू शुक्ला उर्फ साक्षी (20) ने फांसी लगाकर जान दे दी। बहन के शोर मचाने पर पहुंचे आसपास के लोगों ने उसे फंदे से उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। छात्रा ने आत्महत्या का कदम क्यों उठाया, इस बारे में कुछ पता नहीं चल सका त्

कोरांव के रवनिया गांव निवासी रेनू पुत्री अरुण कुमार शुक्ला चार बहनों व एक भाई में सबसे छोटी थी। वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय में बीकॉम की छात्रा थी। इविवि से ही विधि की पढ़ाई कर रही बड़ी बहन प्रिया के साथ वह सोहबतियाबाग मोहल्ले में किराए पर कमरा लेकर रहती थी। बहन ने पुलिस को बताया कि रविवार रात गर्मी ज्यादा होने के कारण वह छत पर चली गई। कुछ घंटों बाद वापस आई तो रेनू फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी।

जिस पर उसने खरकौनी में रहने वाले अपने रिश्तेदार अमित तिवारी को फोन करके जानकारी दी। शोरगुल पर आसपास के लोग भी जुट गए। फंदे से उतारकर छात्रा को उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जार्जटाउन थाना के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परिजन आत्महत्या का कारण नहीं बता सके और न ही छात्रा के कमरे से कोई सुसाइड नोट मिला है। जांच की जा रही है।

दस सूत्री माग को लेकर करछना ब्लाक पर गरजे मनरेगा कर्मी-

अखंड भारत संदेश

करछना उत्तर प्रदेश मनरेगा मजदूर संघ के आह्वान पर एक दिवसीय सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया गया, जिसमें मनरेगा मजदूरों, रोजगार सेवक की ओर से करछना ब्लाक मुख्यालय पर अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

उनकी मांग है कि सरकार मनरेगा कमिय्रों व रोजगार सेवकों नियमित वेतन की श्रेणी में उन्हे मानदेय दिया जाय, और तकनीकी सहायकों, कम्प्यूटर ऑपरेटरों को नियमित कर मानदेय दिया जाय, मृतक रोजगार सेवकों के परिजनों को नौकरी, मनरेगा मजदूरों का वितरण संविदा पोर्टल पर अंकित किया जाय, आदि दस सूत्री माग पत्र को सरकार तत्काल लागू करें, जिससे कयी वषी से कार्य कर रहे कमिय्रों को उनकों उचित न्याय मिल सके की मांगों को लेकर एक दिवसीय सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया गया, शामिल प्रमुख लोगों में मनीष कुमार शुक्ला, सत्य नारायण मौर्या, राम चंद मौर्या, सचिन यादव, महेन्द्र कुमार यादव, अरुण शाहू, दया शंकर, बालमुकुन्द, मनोज कुमार पाण्डेय, गिरधारी लाल सहित बड़ी संख्या में रोजगार सेवक मनरेगा कर्मी शामिल रहे ।

जुए की फड़ पर वसूली करने गए सिपाही का वीडियो वायरल, लाइन हाजिर

नैनी। अरैल क्षेत्र में एक सिपाही जुए की फड़ से रुपये की वसूली करता हुआ मिला। जुए की फड़ पर बैठे जुआरियों से वर्दीधारी सिपाही पैसे की डिमांड कर रहा है। हार-जीत का दांव लगा रहे लोग उसे उसका हिस्सा देकर वहां से विदा करने की बात भी कर रहे हैं। इस आशय का एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

उरुवा और मेजा के कमिय्रों ने सीएम के नाम दस सूत्रीय ज्ञापन बीडीओ सपना अवस्थी को सौंपा

अखण्ड भारत सन्देश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज सोमवार को मेजा और उरुवा विकास खंड में जेम पोर्टल से नियुक्ति, पद सृजन के उपरांत समायोजन न किये जाने, महिला मेट चयन जैसे प्रतिकूल निर्देश निर्गत किये जाने एवं पूर्व से कार्यरत मनरेगा कमिय्रों की समस्याओं का निस्तारण न किये जाने से नाराज मनरेगाकमिय्रों द्वारा सरकार के खिलाफ ब्लॉक परिसर में विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित दस सूत्रीय ज्ञापन बीडीओ सपना अवस्थी को सौंपा।उत्तर प्रदेश मनरेगा कार्मिक कल्याण संगठन, उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, उत्तर प्रदेश मनरेगा लेखा सहायक संघ, कंप्यूटर ऑपरेटर मनरेगा आदि संयुक्त संगठनों के आह्वान पर मनरेगा कमिय्रों ने सोमवार दोपहर विकास खंड स्तर पर मेजा और उरुवा ब्लॉक के सभागार में मनरेगा कमिय्रों के प्रति सरकार के उपेक्षात्मक रवैये से नाराज होकर विरोध प्रदर्शन किया।

19 जुलाई को जिले पर और 26 जुलाई को प्रदेश मुख्यालय पर अनिश्चित कालीन अनसन का निणय महासंघ द्वारा लिया गया है। विकास खंड रुवा के सभागार में सोमवार को उरुवा ब्लाक में जिला अध्यक्ष अनीश कुमार मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष तकनीकी सहायक उदय वीर सिंह, शिव वीर कुमार, अरविंद, घनश्याम, जीत बहादुर, ग्राम रोजगार सेवक संघ पंकज तिवारी, आजाद सिंह, अजीत, शशि लता ,बिंदु तिवारी, सीमा पटेल, पवन कुमार, दिलीपराव, गया प्रसाद, सचिन, निदीष मिश्रा, कंप्यूटर ऑपरेटर राम सागर प्रजापति, एपीओ प्रदीप रस्तोगी आदि रोजगार सेवक में उपस्थित रहे।इसी प्रकार मेजा ब्लॉक में तकनीकी सहायक कृष्ण मुरारी यादव, अजय कुमार, नागेंद्र कुमार अंकित कुमार कंप्यूटर ऑपरेटर मनरेगा अजय कुमार यादव रोजगार सेवक भरत लाल मिश्र, रविंद्र कुमार, प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम दस सूत्रीय ज्ञापन भी बीडीओ मांडा को सौंपा।

हर्बल कृषक गोष्ठी रविवार को कबरा में : आर पी पाण्डेय

औषधीय खेती से होने वाले लाभ के विषय पर विशेषज्ञ किसानों को देंगे जानकारी

अखंड भारत संदेश

करछना। रविवार को दोपहर करछना क्षेत्र के गांव कबरा में किसानों औषधीय पौधों की खेती करने तथा उससे किसानों की आय चार गुना मुनाफा कमाने के लिए किसानों को जागरूक किया जायेगा कम्पनी के सभी डायरेक्टर्स और मेम्बर्स की सहमति से फॉर्म हाउस कबरा पर किसान गोष्ठी / जनरल हाउस की मीटिंग का

आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी डायरेक्टर्स/मेम्बर्स और किसानों से आग्रह है कि निर्धारित समय दिन के एक बजे फॉर्म हाउस पर किसान गोष्ठी में शामिल हों।

इस किसान गोष्ठी में कितने बीघा खेतों में औषधीय खेती की बुआई होना है, बीज का वितरण, बुआई का तरीका, फसल की कटाई व लाभ जैसे समस्त बिदुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।उक्त आशय की जानकारी किसान गोष्ठी के संयोजक आर पी पाण्डेय ने क्षेत्र के किसानों को बडी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है ।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

मनरेगा कमिय्रों का शोषण बंद करें सरकार मानस राठौर

12 वर्ष से कार्यरत कर्मियों का समायोजन की मांग

नई नियुक्तियों पर तत्काल लगे रोक - फुल सागर यादव

शहजादे

कोरांव/प्रयागराज। सोमवार को ब्लॉक मुख्यालय कोरांव में मनरेगा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों ने सरकार की गलत नीतियों के विरोध में राज्यपाल व मुख्यमंत्री को संबोधित 10, विंदुओ का ज्ञापन खंड विकास अधिकारी की अनुपस्थिति में सहायक विकास अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन देते समय ब्लॉक मुख्यालय कोरांव के समस्त संविदा मनरेगा कर्मचारी उपस्थित देखे गए । अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मानस राठौर ने प्रदेश सरकार की गलत नीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविदा के रूप में 12 वर्षों से कार्यरत मनरेगा कमिय्रों का केंद्र व प्रदेश की सरकार के द्वारा जिस प्रकार से शोषण किया जा रहा है वह अत्यंत निंदनीय है।

समान कार्य समान वेतन न देकर सरकार मनरेगा कमिय्रों के भविष्य से लगातर खिलवाड़ करते हुए शोषण करने का कार्य करती चली आ रही है । जबकि कई बार शासन स्तर पर वार्ता होने के बाद भी सरकार के रवैया में कोई बदलाव नहीं दिखलाई पड़ा। जिसके कारण आज की बढ़ती महंगाई में मनरेगा संविदा कमिय्रों के परिवार के सामने भरण पोषण का संकट व्याप्त है। वहीं विकासखंड कोरांव के संविदा कमिय्रों के ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण

कुमार पांडे ने ज्ञापन सौंपते समय कहा कि जिस प्रकार से शासन के द्वारा संविदा पर कार्यरत मनरेगा कमिय्रों के साथ कुठाराघात किया जा रहा है आने वाले समय में सरकार को इसका खामियाजा उठाना पड़ेगा।

12 वर्षों से मानदेय पर कार्यरत संविदा कमिय्रों ने दिन रात मेहनत करके सरकार की योजनाओं को सफल बनाने में अपना भरपूर सहयोग प्रदान किया है। फिर भी इन कमिय्रों के भविष्य की परवाह न करते हुए नई नियुक्तियों का सरकार सृजन कर के देश के नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का जो खेल सरकारों के द्वारा खेला जा रहा है । उसका खामियाजा इन्हें ही भुगतना पड़ेगा। 12 वर्षों से सेवा दे रहे संविदा कमिय्रों ने तो अपना भविष्य बर्बाद करके देख लिया है , उनके भविष्य की चिंता न करके सरकार नए पदों का सृजन करके देश के युवाओं को संविदा पर नियुक्त करते हुए उनका भी भविष्य बर्बाद करने जा रही है। जो देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। सरकार अगर रोजगार ही देना चाहती है तो काम के बदले संविदा कमिय्रों को न्यूनतम वेतन अवश्य दें जिससे अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें । ज्ञापन देते समय प्रमुख रूप से विजय तिवारी , सुरेंद्र कुमार केसरी, कमलाकर पांडे , शिवकुमार , कामता प्रसाद सहित कंप्यूटर ऑपरेटर पवन केसरी , रोजगार सेवक कुलदीप तिवारी, फुल सागर यादव , रमाशंकर यादव , संत कुमार , रिशु तिवारी , रमाशंकर मौर्या , नीरज सिंह , बृजेश कुमार , दिलीप विश्वकर्मा , अनूप दुबे सहित दर्जनों की संख्या में मनरेगा संविदा कर्मचारी देखे गए।

स्कूटी सवार तीन युवकों को रोडवेज बस ने सामने से मारी टक्कर ,तीनों हुए गंभीर रूप से घायल

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के विकास खंड जसरा कार्यालय के सामने एक स्कूटी पर सवार होकर तीन युवक जसरा से गौहनिया की ओर जा रहे थे। प्रयागराज से बांदा जा रही बांदा डिपो की बस ने सामने से स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद स्कूटी को एक किलोमीटर दूर रेलवे फाटक तक बस उसे खींच कर ले गयी। गंभीर रूप से तीनों घायलों को आसपास के लोगों ने जसरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया।सूचना पर पहुंची पुलिस बस को अपने कब्जे में ले लिया है।

सोमवार की शाम लगभग साढ़े छः बजे जसरा के तीन युवक यश केशरवानी 18 वर्ष पुत्र अप्पू केसरवानी,राजा केसरवानी 17 वर्ष पुत्र रमेश केसरवानी व केतन केसरवानी 19 वर्ष पुत्र दिनेश केसरवानी स्कूटी पर सवार होकर जसरा से गौहनिया की ओर किसी काम से जा रहे थे। इतने में प्रयागराज से बांदा की ओर जा रही बांदा डिपो की एक बस ने विकास खंड कार्यालय के सामने स्कूटी सवार तीनों युवकों को सामने से टक्कर मार दी । टक्कर लगने से तीनों युवक सड़क के किनारे गिर गए। लेकिन स्कूटी बस के अगले पहिए के आगे फंसी रह गई। बस चालक स्कूटी सहित लगभग एक किलोमीटर दूर रेलवे फाटक तक घसीट ले गया। जसरा रेलवे क्रॉसिंग बंद होने के कारण क्रॉसिंग के पास बस चालक बस छोड़कर भाग निकला। दुर्घटना के बाद कुछ लोगों ने बस का पीछा किया । लेकिन बस चालक भागने में सफल रहा। दुर्घटना की सूचना मिलने पर घायल युवकों के घर में कोहराम मच गया ।जसरा बाजार से सैकड़ों की संख्या में व्यापारी अस्पताल पहुंच गए। जहां तीनों युवकों का प्राथमिक उपचार चल रहा है। यश केसरवानी के दाहिने पैर की हड्डी टूट गई है। जबकि केतन केशरवानी व राजा केशवानी के सिर में गंभीर चोटें आई है। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने रोडवेज बस को अपने कब्जे में ले लिया है। तीनों घायलों को शहर के लिए भेज दिया गया है।

पति से तंग आकर महिला ने लगाई फांसी मौत घर में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

बहरिया। बहरिया थाना अंतर्गत ग्राम सभा अभईपुर के मजरा चमरे निवासी सुनीता देवी उम्र लगभग ;40 वर्षद्ध पतने ओमप्रकाश ने रविवार देर रात किसी समय अपने कच्चे घर में बांस के सहारे रस्सी का फंदा लगाकर झूल गई।जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।सुबह जब उसके बच्चे उठे और अपनी मां को आवाज देकर उठाने लगे तो बहुत देर तक दरवाजा नहीं खुला तो उन लोगों ने पास पड़ोस को बुलाकर दरवाजा तोड़कर देखा तो सुनीता देवी रस्सी के फंदे से झूलती हुई मिली।सुनीता देवी की शादी अभईपुर निवासीगण ओम प्रकाश के साथ वर्ष 2021 में हुई थी।वर्तमान में उसके तीन छोटे.छोटे लड़के चंदनए कुंदनए वीरूएहै। लोगों का कहना है।कि ओम प्रकाश नौटंकी मंडली में काम करता था। उसी मंडली में डांसर का काम करने वाली महिला के साथ ओमप्रकाश ने अपनी दूसरी शादी कर ली। और वह बनारस में जाकर रहने लगा। इस औरत से भी उसके तीन बच्चे है।वर्तमान समय में ओम प्रकाश उन्हीं के साथ बनारस में रहता है।इन्हीं कारणों के चलते सुनीता देवी ने अवसाद में आकर इतना सख्त कदम उठा लिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई
विकास खण्ड— फूलपुर, जनपद— प्रयागराज

पत्रांक— मेमो / अ0नि0 / 2021—22 दिनांकः 12 / 07 / 2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021—22 में मनरेगा / राज्य वित्त आयोग / केन्द्रीय वित्त आयोग / स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई में अपराह्न 3:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0 / मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600 / 900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का — 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर / थर्मल स्कैनर / पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान / सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

श्रीमती पुष्पा देवी
(ग्राम प्रधान)
चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई
वि0खं0 फूलपुर, प्रयागराज।

धीरेन्द्र कुशवाहा
ग्राम पंचायत अधिकारी
चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई
वि0खं0 फूलपुर, प्रयागराज।

जसरा में 263 ने लगवाये वैक्सीन

जसरा/ प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में सोमवार को 18 प्लस के साथ सीनियर सिटीजन के टीकाकरण अभियान के तहत कोवीशील्ड एवं कोवैक्सीन लगाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में सोमवार को टीकाकरण अभियान के तहत कुल 263 लोगों को वैक्सीनेशन किया गया। जिसमें कोवैक्सीन के 57 डोज के साथ ही कोवीशील्ड का 206 लोगों का टीकाकरण किया गया। सीएचसी अधीक्षक डा0 तरुण पाठक ने ग्रामीणों से अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग टीकाकरण कराकर स्वयं बचें और अपने परिवार को सुरक्षित रखें। इस अवसर पर स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी सीमा सिंह, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक पंकज मिश्र,डा0 हीरानंदन पंकज पांडेय, नीशा गौतम,प्रमिला सिंह, सुमन सिंह,रीता सिंह,इन्द्रावती आदि एएनएम उपस्थित रहीं।

प्रमुख ने प्रधानों को किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। विकास खंड जसरा के नव निर्वाचित ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने सोमवार को ग्राम प्रधानों को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। श्री सिंह ने कहा कि प्रमुख और प्रधान दोनों एक दूसरे के पूरक हुआ करते हैं।

दोनों को एक साथ मिलकर चलना होगा। तभी गांव के साथ समाज का विकास संभव होगा। ब्लॉक प्रमुख पप्पू सिंह ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य/ प्रधान गण दारा सिंह पटेल,राजरूप सिंह पटेल,लल्लू सिंह व आशीष कुमार सोनकर के साथ कमला द्विवेदी को माल्यार्पण कर जीत का श्रेय जसरा ब्लॉक पर उपस्थित समस्त ग्रामीणों को दिया। प्रमुख ने कहा कि अब हमारा पहला कदम समाज के असहाय, विधवा, वृद्धा एवं दिब्यांगों को पेंशन बनवाना,गांवों में रह रहे गरीबों को ब्लॉक से आवास मुहैया कराना यह हमारा पहला लक्ष्य होगा। मैं सदैव चाहूंगा कि ब्लॉक आने वाला प्रत्येक सदस्य संतुष्ट होकर ही जाय। इस अवसर पर प्रधान दारा सिंह पटेल, हीरामन सिंह,राजरूप सिंह, आशीष सोनकर, सरकार बहादुर सिंह,बृजेश सोनकर,अनिल शुक्ल सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

जसरा में दस सूत्रीय ज्ञापन बीडीओ को सौंपा

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। ग्राम्य विकास विभाग द्वारा मनरेगा कमिन्यों में वर्तमान सरकार के प्रति असंतोष ब्याप्त किये जाने के प्रयोजनार्थ मनरेगा कमिन्यों के विरूद्ध बिना पद सृजित किये जेम पोर्टल से नियुक्त,पद सृजन के उपरांत समायोजन न किये जाने सहित महिला मेट चयन जैसे प्रतिकूल निर्देश निर्गत किये जाने व पूर्व से कार्यरत मनरेगा कमिन्यों की समस्याओं का निवारण न किये जाने के कारण सोमवार को विकास खंड जसरा में कार्य से विरत रहकर एक दिवसीय मनरेगा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले अनशन पर रहते हुए खंड विकास अधिकारी जसरा देवेन्द्र कुमार ओझा को मनरेगा कर्मचारी महासंघ की ब्लॉक अध्यक्ष तारा सिंह पटेल ने दस सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन बीडीओ को दिया।

गुंडा टैक्स वसूलने वाला गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

नारीबारी। थाना शंकरगढ़ के नारीबारी पुलिस चौकी के अंतर्गत गुंडा टैक्स वसूलने वाला गिरफ्तार

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपराधी महेश कुमार साकेत पुत्र इंद्रलाल निवासी नारीबारी जो 11/7/2021 दिन रविवार को नारीबारी चौकी के आगे ट्रक चालक मो0 सदाब पुत्र फिरोज निवासी म?ऊ जिला चित्रकूट की ट्रक को रोककर 200रु प्रति माह गुंडा टैक्स देने की बात कर रहा था ट्रक चालक के मना करने पर अपराधी महेश कुमार उसे जान से मारने की धमकी देने लगा इस पर ट्रक चालक मोहम्मद सदाब किसी तरह जान बचाकर पुलिस चौकी नारीबारी पहुंचा और आपबीती बताते हुए चौकी प्रभारी को लिखित प्रार्थना पत्र भी दिया जिस पर सक्रियता दिखाते हुए चौकी प्रभारी मनीष कुमार त्रिपाठी व थाना अध्यक्ष शंकरगढ़ कुलदीप तिवारी ने तत्काल अपराधी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 244/2021धारा 386/342 का मुकदमा पंजीकृत कर लिया और अपराधी की तलाश प्रारंभ कर दी गयी जिसको दिन सोमवार को मुखबिर खास की सूचना पर बाबा बैजनाथ की मंदिर से 4 नाजायज देशी बम के साथ गिरफ्तार कर लिया गया और विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया गया गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक मनीष कुमार त्रिपाठी, हे0 कॉन्स्टेबल धंनजय तिवारी व अनिल चौबे सम्मिलित रहें।

पुलिस के हत्थे चढ़ा ट्रक चालकों से वसूली करने वाला,चार जिंदा बम भी बरामद

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। यमुनापार के शंकरगढ़ थाने की पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है, जो ट्रक चालकों को डरा-धमकाकर प्रत्येक चक्कर के दो सौ रुपये वसूल रहा था। मामले की शिकायत पर सक्रिय हुई पुलिस ने गुंडा टैक्स वसूली करने के आरोपी को धर दबोचा। उसके पास से चार जिंदा बम बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्त में आए आरोपी के खिलाफ पहले से भी एक मामला दर्ज है।

थानाध्यक्ष कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि जनपद चित्रकूट के मऊ निवासी मोहम्मद सादाब पुत्र फिरोज ने शिकायत किया कि एक व्यक्ति नारीबारी में ट्रक को रोकवाकर वसूली करता है और प्रत्येक चक्कर के दो सौ रुपया वसूला जा रहा है। पैसा देने से मना करने पर जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। इस मामले की शिकायत पर पुलिस ने जाल बिछाया और गुंडा टैक्स वसूली के अभियुक्त महेश कुमार साकेत पुत्र इंद्रलाल (निवासी नारीबारी, शंकरगढ़) को धर दबोचा। तलाशी के दौरान उसके पास से चार जिंदा देशी बम भी बरामद हुआ है।

एसओ ने बताया कि गिरफ्त में आए महेश के खिलाफ शंकरगढ़ थाने में पहले से ही एक मामला

दर्ज है। एसओ ने बताया कि महेश नारीबारी से गुजरने वाले ट्रक चालकों को धमकाकर दो सौ रुपये की वसूली करता था। पूछताछ के बाद उसका चालान कर दिया गया है। महेश को गिरफ्तार करने वालों की टीम में सब इंस्पेक्टर (चौकी प्रभारी नारीबारी) मनीष कुमार त्रिपाठी,हेड कांस्टेबल धनंजय त्रिपाठी, अनिल चौबे शामिल रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत देवनहरी
विकास खण्ड— सहसों, जनपद— प्रयागराज

पत्रांक— मेमो / अ0नि0 / 2021—22 दिनांकः 12 / 07 / 2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021—22 में मनरेगा / राज्य वित्त आयोग / केन्द्रीय वित्त आयोग / स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत देवनहरी में अपराह्न 2:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0 / मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600 / 900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का — 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर / थर्मल स्कैनर / पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान / सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

प्रेमा देवी
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत देवनहरी
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

राम बहादुर
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत देव नहरी
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत जाफरपुर उर्फ बाबूगंज
विकास खण्ड— फूलपुर, जनपद— प्रयागराज

पत्रांक— मेमो / अ0नि0 / 2021—22 दिनांकः 12 / 07 / 2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021—22 में मनरेगा / राज्य वित्त आयोग / केन्द्रीय वित्त आयोग / स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत जाफरपुर उर्फ बाबूगंज में अपराह्न 4:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0 / मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600 / 900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का — 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर / थर्मल स्कैनर / पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान / सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

श्रीमती शीला देवी
(ग्राम प्रधान)
जाफरपुर उर्फ बाबूगंज
वि0खं0 फूलपुर, प्रयागराज।

धीरेन्द्र कुशवाहा
ग्राम पंचायत अधिकारी
जाफरपुर उर्फ बाबूगंज
वि0खं0 फूलपुर, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत जगदेवपुर बरेठी
विकास खण्ड— सहसों, जनपद— प्रयागराज

पत्रांक— मेमो / अ0नि0 / 2021—22 दिनांकः 12 / 07 / 2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021—22 में मनरेगा / राज्य वित्त आयोग / केन्द्रीय वित्त आयोग / स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत जगदेवपुर बरेठीं में अपराह्न 2:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0 / मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600 / 900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का — 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर / थर्मल स्कैनर / पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान / सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

सुभाष चन्द्र मिश्रा
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत जगदेवपुर बरेठी
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

अश्वनी कुमार
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत जगदेवपुर बरेठी
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत बजाहीं
विकास खण्ड— सहसों, जनपद— प्रयागराज

पत्रांक— मेमो / अ0नि0 / 2021—22 दिनांकः 12 / 07 / 2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021—22 में मनरेगा / राज्य वित्त आयोग / केन्द्रीय वित्त आयोग / स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत बजाहीं में अपराहन 4:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0 / मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600 / 900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का — 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर / थर्मल स्कैनर / पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान / सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

पवन कुमार
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत बजाहीं
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

अजय कुमार राना
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बजाहीं
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत मनेथू
विकास खण्ड— सहसों, जनपद— प्रयागराज

पत्रांक— मेमो / अ0नि0 / 2021—22 दिनांकः 12 / 07 / 2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021—22 में मनरेगा / राज्य वित्त आयोग / केन्द्रीय वित्त आयोग / स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत मनेथू में अपराहन 3:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0 / मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600 / 900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का — 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर / थर्मल स्कैनर / पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान / सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

सुषमा देवी
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत मनेथू
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

राम बहादुर
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत मनेथू
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत बेलवां
विकास खण्ड— सहसों, जनपद— प्रयागराज

पत्रांक— मेमो / अ0नि0 / 2021—22 दिनांकः 12 / 07 / 2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021—22 में मनरेगा / राज्य वित्त आयोग / केन्द्रीय वित्त आयोग / स्वच्छ भारत मिशन व अन्य योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु कार्य स्थल पर निम्न सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.07.2021 से 16.07.2021 तक कार्यालय ग्राम पंचायत बेलवां में अपराहन 4:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17.07.2021 को ग्राम पंचायत कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे कोविड प्रोटोकाल के अनुसार निविदा खोली जायेगी।

क्रमांक	सामग्री	ल0 / मात्रा	दर
1.	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी	प्रति हजार	
2.	सीमेन्ट	प्रति बोरी	
3.	बोरंग बालू	प्रति घन मीटर	
4.	महीन बालू	प्रति घन मीटर	
5.	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम0एम0 से 35 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
6.	ईंट गिट्टी 20 एम0एम0 से लेकर 40 एम0एम0 तक	प्रति घन मीटर	
7.	सरिया	प्रति कुन्टल	
8.	ह्यूम पाईप 350 एम0एम0 (एन0पी0पी0)	प्रति नग	
9.	ह्यूम पाईप 600 / 900 एम0एम0	प्रति नग	
10.	सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट	प्रति नग	
11.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
12.	टाइल्स	प्रति नग	
13	पत्थर, पटिया विभिन्न साईज	प्रति नग	
14.	इण्डिया मार्का — 2 हैण्डपाईप मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
15.	शौचालय सामग्री दरवाजा सहित	प्रति नग	
16.	सफाई कर्मी कीट (झाड़ू, कूड़ा गाड़ी, फावड़ा आदि)	प्रति नग	
17.	सेनिटाइजेशन किट (स्प्रिगलर, ब्लीचिंग पाउडर सोडियम हाइपोक्लोराइड आदि)	प्रति नग	
18.	पल्स आक्सीमीटर / थर्मल स्कैनर / पी0ए0एस0	प्रति नग	

नियम व शर्ते

1. आपूर्ति हेतु सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात सूचित की जायेगी। 2. आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर ही की जायेगी। 3. सामग्री की मात्रा घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 4. सामग्री का आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर करनी होगी। 5. सामग्री आपूर्ति के पश्चात अवर अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता प्रमाणित करने व मापांकन प्रस्तुत करने के बाद ही भुगतान किया जायेगा। 6. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। 7. प्रस्तुत दर पी0डब्ल्यू0डी0 की स्वीकृति दर से अधिक न हो। 8. सामाग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समयावधि अन्तर्गत की जानी अनिवार्य होगी। 9. सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पाये जाने पर भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10. निविदा बिना कारण बताये व किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान / सचिव (ग्रा0पं0) का होगा।

गुड़िया यादव
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत बेलवा
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

राम बहादुर
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बेलवा
वि0खं0 सहसों, प्रयागराज।

अवध जन कल्याण समिति द्वारा पौधारोपण किया गया- सरोज सिंह

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज नैनी क्षेत्र में वन महोत्सव सप्ताह के अन्तर्गरत पर्यावरण संरक्षण तथा वृक्षारोपण अभियान के अंर्तगत के तहत अरैल मोड़ के पास स्थित पार्क में पौधरोपण किया गया। अवध जन कल्याण समिति के अध्यक्ष श्रीमती सरोज सिंह ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन मे संजीवनी के समान है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ लगाने को संकल्प लेना चाहिए। तभी हमारा देश प्रदूषण मुक्त होगा। वरिष्ठ समाजसेविका एवं अवध जन कल्याण समिति के अध्यक्ष श्रीमती सरोज सिंह ने बताया कि पेड़ खाद्य संसाधनों के उत्पादन में योगदान करते हैं, परिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं, वायु गुणवत्ता में सुधार करते हैं, मिट्टी का संरक्षण करते हैं, वन्य जीवन का समर्थन करते हैं और मिट्टी के कटाव और प्रदूषण को रोकते है। अवध जन कल्याण समिति के द्वारा बारह दर्जन फल दार और छाया दार वृक्षारोपण किया गया। जिसमे मुख्य रूप से संस्था के मनोज गुप्ता (सचिव),जय प्रकाश,अरशद अली, आरती प्रकाश,कुमार निशांत, अजय सोनकर, अजय प्रकाश आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

जीवन लंबा हो, स्वस्थ भी

क और दिलचस्प ट्रेंड यह देखा गया है कि विभिनन देशों में औसत आयु तो बढ़ रही है, लेकिन स्वस्थ औसत आयु में वैसी बढ़ोतरी नहीं दिख रही। यानी महिला और पुरुषों के बीच का अंतर समस्या का सिर्फ एक पहलू है। बुजुर्ग आबादी के स्वास्थ्य का पहलू अलग से भी कम महत्वपूर्ण नहीं। हाल ही में आई वर्ल्ड हेल्थ स्टैटिस्टिक्स रिपोर्ट 2021 ने महिलाओं और पुरुषों की औसत आयु और उनके स्वास्थ्य से जुड़े कुछ पहलुओं पर नए सिरे से विचार की जरूरत बताई है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में महिलाओं की औसत आयु पुरुषों के मुकाबले अधिक है। वे अपेक्षाकृत ज्यादा लंबा जीवन जीती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि स्वास्थ्य के मामले में भी वे पुरुषों से बेहतर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अगर बात औसत स्वस्थ आयु की हो तो महिलाओं और पुरुषों के बीच का यह अंतर काफी कम हो जाता है। स्वस्थ औसत आयु के लिहाज से महिलाएं और पुरुष करीब-करीब एक जैसी ही स्थिति में हैं। यानी जीवन के आखिरी हिस्से में पुरुषों के मुकाबले स्त्रियों का स्वास्थ्य ज्यादा कमजोर होता है। अपने देश में भी औसत आयु के मामले में पुरुषों से तीन साल आगे दिखती महिलाएं स्वस्थ औसत आयु का सवाल उठने पर पुरुषों के समकक्ष नजर आने लगती हैं। अगर जेंडर के सवाल को छोड़कर इस मसले को संपूर्णता में देखा जाए तो बात थोड़ी और साफ होती है।

वैश्विक औसत आयु 73.3 वर्ष है तो स्वस्थ औसत आयु 63.7 वर्ष। यानी दोनों के बीच करीब नौ साल का अंतर है। इसका साफ मतलब यह हुआ कि लोगों के जीवन के आखिरी दस साल तरह-तरह की बीमारियों के बीच गुजरते हैं। एक और दिलचस्प ट्रेंड यह देखा गया है कि विभिनन देशों में औसत आयु तो बढ़ रही है, लेकिन स्वस्थ औसत आयु में वैसी बढ़ोतरी नहीं दिख रही। यानी महिला और पुरुषों के बीच का अंतर समस्या का सिर्फ एक पहलू है। बुजुर्ग आबादी के स्वास्थ्य का पहलू अलग से भी कम महत्वपूर्ण नहीं। अच्छी बात यह है कि दोनों में से कोई भी पहलू विशेषज्ञों की नजरों से अछूता नहीं है। परिवार में पितृसत्तात्मक सोच के प्रभाव में महिलाओं के स्वास्थ्य को ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती। खाने-पीने के मामले में भी महिलाएं खुद को पीछे रखना उपयुक्त मानती हैं। इसके अलावा आर्थिक आत्मनिर्भरता के अभाव में स्वास्थ्य सेवाओं तक महिलाओं की सीधी पहुंच अमूमन नहीं हो पाती। जैसे-जैसे महिलाओं की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, इस मोर्चे पर सुधार की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन जहां तक वैश्विक स्तर पर औसत आयु और स्वस्थ औसत आयु में अंतर का सवाल है तो वहां मामला नीतियों और योजनाओं की दिशा का भी है। विभिनन सरकारों का ही नहीं वैश्विक स्तर पर मेडिकल रिसर्चों के लिए होने वाली फंडिंग में भी जोर मौत के कारणों को समझने और दूर करने पर रहता है जिसका पॉजिटिव नतीजा औसत आयु में बढ़ोतरी के रूप में नजर आता है। अब जरूरत बुजुर्ग आबादी को होने वाली बीमारियों पर ध्यान केंद्रित करने की है ताकि उसे उन बीमारियों बचाने के उपाय समय रहते किए जा सकें। तभी हम अपने बुजुर्गों के लिए लंबा और साथ ही अच्छी सेहत से युक्त जीवन सुनिश्चित कर पाएंगे।

चेहरे बदले, क्या चाल भी बदलेगी सरकार

अवधेश कुमार

इसे निसंदेह असाधारण मंत्रिमंडल विस्तार कहा जाएगा। 12 मंत्रियों का इस्तीफा और 36 नए मंत्रियों का शामिल होना किसी सरकार के जीवन काल की साधारण घटना नहीं है। यह कई मायनों में अप्रत्याशित और अनपेक्षित भी था। कौन कल्पना कर सकता था कि नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल के प्रमुख चेहरों रविशंकर प्रसाद, प्रकाश जावड़ेकर ,डॉक्टर हर्षवर्धन, रमेश पोखरियाल निशंक , सदानंद गौड़ा जैसे कद्दावर कैबिनेट मंत्रियों को इस्तीफा देना पड़ेगा? यह ज्यादातर के लिए विस्मयकारी भी था। वैसे नरेंद्र मोदी अपने सहयोगियों के चयन में हमेशा चौंकाते रहे हैं। मंत्रियों या मुख्यमंत्रियों के चयन में अनेक अप्रत्याशित नाम सामने आए हैं । किंतु ऐसे असाधारण कदम असाधारण परिस्थितियों में ही उठाए जाते हैं। अगर थोड़ी भी गहराई से विचार करेंगे तो मोदी सरकार और भाजपा के लिए यह निश्चित रूप से असाधारण परिस्थिति है। देश और दुनिया में सफल प्रधानमंत्री और बेहतर सरकार की छवि वाले शासनकाल में कोरोना की दूसरी लहर में स्वास्थ्य ढांचे की जैसी लचर स्थिति सामने आई तथा जिस तरह का हाहाकार मचा उससे स्वयं प्रधानमंत्री एवं उनकी सरकार की भारत ही नहीं विश्व भर में नकारात्मक छवि बनी। देश और विदेश में स्वाभाविक ही विरोधियों को एक अवसर नजर आया और उन्होंने लगातार मुख्यधारा की मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री और सरकार की छवि मटियामेट करने के पूरी कोशिश की। इसका असर भी दिखाई दिया। मोदी को 2014 से अब तक के कार्यकाल में कभी इस तरह की विपरीत स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता न मिलने तथा वहां भाजपा एवं संघ समर्थकों के विरुद्ध हिंसा के कारण पार्टी के अंदर और बाहर समर्थकों के बीच व्याप्त निराशा साफ दिखाई देती है। पहली बार समर्थकों द्वारा सरकार पर तीखा हमला हो रहा है। धारणा यह बनी है कि पश्चिम बंगाल में मोदी ,अमित शाह तथा भाजपा ने अपने समर्थकों को तृणमूल के हवाले छोड़ दिया है। तीसरी विकट स्थिति अर्थव्यवस्था का संकट है। इसे तेजी से संभालने की कोशिशों को कोरोना के आघात ने बिल्कुल कमजोर कर दिया। इस कारण समाज के हर उम्र और वर्ग में निराशा है।

राजनीतिक दृष्टि और मोदी व भाजपा के नजरिए से विचार करें तो उनके समक्ष तत्काल सर्वप्रमुख चुनौती अपनी और सरकार की छवि ठीक करने की है। अगर आप मंत्रिमंडल में हुए इस व्यापक फेरबदल को देखेंगे तो उसमें परंपरागत रूप से विचार किए जाने वाले हर कारक और पहलू नजर आएंगे। मसलन, राजनीतिक और चुनावी आवश्यकताएं, सामाजिक संतुलन, उम्र, क्षेत्रीय संतुलन आदि। अगर उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा सात नए मंत्री शामिल हुए और कुल मिलाकर अब वहां से प्रधानमंत्री को छोड़कर 14 मंत्री हैं तो इसे 2022 के चुनाव से जोड़कर देखा जाएगा। पूर्वोत्तर से पहली बार पांच मंत्री और उसमें भी त्रिपुरा से एक मंत्री का शामिल होना भी राजनीतिक और चुनावी जरूरतों के खांचे में फिट हो सकता है। इसी तरह पश्चिम बंगाल से चार मंत्रियों का चयन भी इसी श्रेणी में शामिल होगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री होने के कारण नारायण राणे का कैबिनेट में आना स्वभाविक हो सकता है लेकिन शिवसेना की उनकी पृष्ठभूमि आज के संदर्भ में विशेष राजनीतिक मायने रखती है। गुजरात से पांच मंत्री तथा अपना दल की अनुप्रिया पटेल आदि के भी राजनीतिक - चुनावी मायने हैं। मंत्रिमंडल में 25 प्रदेशों का प्रतिनिधित्व देकर भाजपा ने अखिल भारतीय पार्टी होने का संदेश भी दिया है। किंतु इस अभूतपूर्व विस्तार का मुख्य फोकस सरकार का चेहरा पूरी तरह से बदल देने पर केंद्रित है। नरेंद्र मोदी सरकार में गहरी पैठ रखने वाले जानते हैं कि मोदी और शाह दोनों इस बात से नाराज थे कि के देश और विदेश की मीडिया और सोशल मीडिया में जारी प्रतिकूल अभियानों के विरुद्ध मंत्रियों और पार्टी नेताओं को जिस बुद्धिमता और आक्रामकता से मुकाबला करना चाहिए था नहीं किया। मोदी और शाह के नेतृत्व वाली भाजपा और सरकार विरोधियों के आक्रमण के विरुद्ध तीखे प्रत्याक्रमण के लिए जानी जाती थी। यह बंगाल चुनाव के बाद अचानक गायब हो गया और कोरोना संकट में तो सरकार और पार्टी जैसे लुप्त ही हो गई थी। यह स्थिति इन दोनों की समझ के परे था। इसे लेकर गहरा मंथन हुआ और निष्कर्ष आया कि सरकार और पार्टी दोनों में चेहरा, चरित्र और क्रियाकलाप तीनों स्तरों पर व्यापक परिवर्तन के बगैर इतनी भारी क्षति की पूर्ति नहीं हो सकती। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में ग्रोथ की बात की है। यानी सरकार विकास के लिए। नए

चेहरों के साथ विभागों के बंटवारे को देखिए, शीर्ष पांच मंत्रियों को छोड़ दें तो लगभग पूरी बदली हुई सरकार दिखेगी। अब यहां से निश्चित समय सीमा में लक्ष्य के साथ काम करने की शुरुआत हो गई है। इसके बाद स्थान आएगा पार्टी का। सामान्य तौर पर डॉ. हर्षवर्धन के जाने को तो स्वाभाविक माना जा रहा है किंतु रविशंकर प्रसाद और जावडेकर जैसे मंत्रियों का जाना समझ नहीं आ रहा। सोशल मीडिया को हैंडल करने की जिम्मेवारी मुख्यतः रविशंकर प्रसाद के पास थी तो मुख्यधारा की मीडिया की जावडेकर की। ये सरकार के पक्ष के साथ विरोधियों को प्रत्युत्तर देने के लिए बुद्धिमत्तापूर्वक योजना बनाने और त्वरित गति से अमल में लाने की भूमिका में चूके हैं। ट्विटर के साथ विवाद समझ में आता है किंतु जिस तरीके से मामले के कानूनी पक्ष को आगे बढ़ाया उससे संदेश यह निकला कि एक कंपनी के समक्ष सरकार का इकबाल कमजोर पड़ रहा है। बहुत सारे मामले पर्दे के पीछे से भी हैंडल किए जाते हैं। प्रसाद न्याय मंत्री भी हैं इसलिए न्यायालय के मामलों के निपटाने की जिम्मेदारी भी उनकी थी। इस बीच न्यायालयों की ,सरकार के विरुद्ध टिप्पणियां पूरी सरकार और पार्टी को नागवार गुजरी है। मंत्री और नेता कह रहे थे कि महाधिवक्ता से लेकर सॉलिसिटर जनरल, वकीलों ,न्यायविदों की इतनी बड़ी फौज होते हुए सरकार के पक्ष को ठीक से न्यायालय के समक्ष नहीं रखा जा रहा है। भारतीय मीडिया के साथ संवाद और सहकार की भूमिका सूचना और प्रसारण मंत्रालय की होती है। केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस या बयान जारी करना ऐसे संकट में पर्याप्त नहीं था। मीडिया संस्थानों के प्रमुखों, छोटे-बड़े पत्रकारों ,संपादकों, स्वतंत्र विश्लेषकों -टिप्पणीकारों से संवाद और संपर्क हुआ ही नहीं। इसकी कमी पार्टी के स्तर पर भी देखी गई। डीडी न्यूज़ के हिंदी और अंग्रेजी दोनों चैनलों को कोरोना संकट में एक कर दिया गया तथा डिबेट गायब हो गए ,जबकि उस दौरान इसकी ज्यादा जरूरत थी। दूसरी ओर पार्टी के अंदर प्रभावी ढंग से प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी बात रखने वाले प्रवक्ताओं की साफ कमी महसूस हुई। एक समय अरुण जेटली, सुषमा स्वराज जैसे नेता पार्टी के लिए भी पत्रकार वार्ता करते थे। आज के समय में रविशंकर प्रसाद और प्रकाश जावड़ेकर इसके लिए उपयुक्त हो सकते हैं।

इस तरह असाधारण मंत्रिमंडल विस्तार का कारण और लक्ष्य समझना कठिन नहीं होना चाहिए। तो अब सरकार और भाजपा दोनों स्तरों स्तरों पर आपको आक्रामक मुखरता दिखेगी । आगे विधानसभा चुनावों और 2024 में लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन सरकार और पार्टी दोनों की छवि पर ही मुख्यतः निर्भर करेगी। हालांकि किसी भी सरकार और पार्टी की छवि केवल चेहरा बदलने से नहीं दुरुस्त हो सकती। चेहरे का महत्व है, लेकिन प्रदर्शन यानी काम सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। अगर सरकार शासन के स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करती है तो कमजोर चेहरे भी समर्थन पाते हैं। इसी तरह पार्टी अगर राजनीतिक मामलों में अपने चरित्र के अनुरूप भूमिका निभाती है तो कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह बना रहता है। मोदी सरकार अगर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में सफल हुई, भविष्य में कोरोना जैसी आपदा से निपटने के अनुरूप स्वास्थ्य ढांचा सबल दिखा, मोदी द्वारा निश्चित समयावधि में सबके लिए मकान ,हर घर पानी, बिजली, हर खेत को सिंचाई, तथा भारत को 50 खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने जैसे लक्ष्यों के अलावा आंतरिक व बाह्य त्रुटिहीन सुरक्षा ढांचा, शिक्षा में आमूल बदलाव तथा धर्म-संस्कृति के क्षेत्र के घोषित-अघोषित भाजपा की विचारधारा वाले लक्ष्यों दिशा में काम हुआ तो पार्टी एवं समर्थक पूरे आत्मविश्वास के साथ विपरीत परिस्थितियों से राजनीतिक तौर पर निपट लेंगे। इसमें कमी रह गई तो क्या होगा कहना कठिन है। तो प्रतीक्षा करते हैं।

जंगल से बाहर निकलकर क्यों घूम रहे बाघ

दिलीप लाल

पिछले गुरुवार को विश्व वन्यजीव कोष (डबल्यूडबल्यूएफ) और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की मानव वन्य प्राणी संघर्ष पर एक ग्लोबल रिपोर्ट आई। रिपोर्ट बताती है कि भारत में 35 प्रतिशत बाघों का इलाका संरक्षित क्षेत्र से बाहर है, जिससे बाघ और मनुष्य में आमना-सामना होता रहता है। जंगली जीव और मनुष्य के संघर्ष का असर दुनिया के विभिनन प्रजातियों के 75 प्रतिशत बाघों पर है। इस रिपोर्ट के लिए 27 देशों के 40 संगठनों के 155 एक्सपर्ट्स ने काम किया है। बाघ और मनुष्य के बीच संघर्ष की कहानी दोनों के अस्तित्व से भी जुड़ती है। कभी बाघ हारता है, तो कभी मनुष्य। लेकिन जैसे-जैसे जंगल छीजते जा रहे हैं, उस पर इंसानों का अवैध कब्जा बढ़ता जा रहा है, संघर्ष भी तेज होता जा रहा है। बीते मंगलवार को नगालैंड के पेरेन जिले के कुईलॉन्ग क्षेत्र में बाघ ने तीन गायों को मार डाला। इसके पहले यहां वर्ष 2011 में बाघ ने सात गायों को मार डाला था। वर्ष 2005 में नगालैंड के एक गांव के कुछ लोगों ने पीट-पीटकर एक बाघ को मार डाला था। नैशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ने पिछले साल जनवरी से अप्रैल तक के डेटा में बताया है कि महाराष्ट्र में इन चार महीनों में 17 बाघों की मौत हुई है। यवतमाल जिले के पंढरकावड़ा डिविजन में चार साल की एक गर्भवती बाघिन तार में फंसकर मर गई थी। उसके पेट में चार बच्चे थे। गांव वाले अपनी फसलों को हिरण, जंगली सुअर जैसे दूसरे जानवरों से बचाने के लिए तार के फंदे लगा देते हैं। कई बार इसमें बाघ भी फंस जाते हैं। हालांकि बाघों का उनकी फसलों से कोई लेना-देना नहीं होता है, लेकिन पानी और शिकार की तलाश में वे देर रात दूसरे जंगलों की तरफ निकलते हैं और पौ फटने से पहले पुराने ठिकाने पर लौट आते हैं। इस आवाजाही के दौरान भी उनका सामना जंगलों से सटे गांवों के लोगों से हो जाता है।

वर्ष 2019 के मई महीने में उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में शिकारियों ने करंट लगाकर एक बाघ को मार डाला था। यहां दुधमनिया जंगल में एक आश्रम है, जहां के तालाब में पानी पीने के लिए जंगली जीव आते रहते हैं। शिकारियों ने तालाब के आसपास बिजली के तार फैला दिए, जिसकी चपेट में आकर बाघ की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों की लापरवाही या मिलीभगत के चलते तस्करों के लिए भी महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के जंगलों में घुसकर बाघों का शिकार करना बहुत मुश्किल नहीं होता। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में बाघों के संरक्षण को लेकर एक शिखर सम्मेलन हुआ था, जिसमें वर्ष 2022 तक बाघों की संख्या दोगुनी करने पर सहमति जताई गई थी। तभी 19 जुलाई को ग्लोबल टाइगर डे मनाना तय हुआ था। वर्ष 2019 में ग्लोबल टाइगर डे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि अगले चार वर्षों में भारत इस लक्ष्य को पूरा कर लेगा। वर्ष 2017 हमारे देश के लिए एक तरह से बाघों की मौत का वर्ष रहा। उस साल 116 बाघों की मौत हुई थी। उस साल महाराष्ट्र में 21, कर्नाटक, उत्तराखंड और असम में 16-16 बाघों की मौत हुई थी। वर्ष 2014 से अब तक 490 बाघों की मौत हो चुकी है। जानकार बताते हैं कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है, क्योंकि कई बार समय पर रिपोर्ट दर्ज नहीं होने के चलते संख्या दर्ज नहीं हो पाती है। वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने वर्ष 2004 की गणना के हवाले से दावा किया था कि तब देश में 1411 बाघ थे। इसके बाद से बाघों की संख्या बढ़ती गई और वर्ष 2011 में यह संख्या 1706 हो गई। जब 2014 में गणना की गई तो देश भर में कुल 2,226 बाघ थे। पूरी दुनिया में बाघों की कुल संख्या 3,900 है। हालांकि वर्ष 2020 में ग्लोबल टाइगर डे के मौके पर घोषणा की गई कि देश में बाघों की संख्या बढ़कर 2,967 हो गई है। लेकिन काफी संख्या में हर साल बाघ मारे जा रहे हैं, तो वजह यही है कि इनकी दुनिया में इंसान अवैध अतिक्रमण करते जा रहे हैं।

खिलाड़ियों और नेताओं की तरह साहित्यकार पर भी बायोपिक बननी चाहिए

डॉ. सुधा कुमारी

हाल- फिलहाल समाचार में आया था कि प्रसिद्ध उपन्यासकार अमृता प्रीतम पर बायोपिक बन रही है। अमृता प्रीतम का नाम किसी भी हिंदी या पंजाबी भाषा पढ़नेवालों के लिए परिचय का मुहताज नहीं है। 'रसीदी टिकट', 'पांच बरस लम्बी सड़क', 'तुम्हारी अमृता' , पिंजर' जैसी कालजयी रचनाएं लिखनेवाली अमृता पर फिल्म बनना गर्व की बात है। साहित्यकार पर फिल्म बनाना अपनी भाषा और संस्कृति का आदर करने का उत्तम तरीका है । यह लोगों को शिक्षित करने का भी जरिया हो सकता है। लेखक के विचार तो उसकी पुस्तकों से ज्ञात हो जाते हैं मगर उनके वास्तविक जीवन के संघर्ष और उनके व्यक्तित्व निर्माण के बारे में ऑडियो-विजुअल फिल्म से पता चल सकता है। इससे पहले तेलुगु में महाकवि कलिदासु, कनन्ड़ में महाकवि कालिदास, मलयालम में आमी और तमिल में भारती बने थे। हिंदी में 2018 में भारतीय- पाकिस्तानी उर्दू लेखक सादात हसन मंटो, जो भारतीय- पाकिस्तानी दोनों की सरहदों पर एक जाना- माना नाम हुआ करते थे, के जीवन पर फ़िल्म बनी थी । और अब अमृता प्रीतम पर बन रही है। अगर इन अपवादों को छोड़ दें तो पाएंगे कि ऐतिहासिक, राजनीतिक, खेल- संबंधी और धार्मिक चरित्रों पर बायोपिक बनाना फिल्म जगत का पसंदीदा विषय रहा है किन्तु लेखक पर फिल्म इंडस्ट्री की मेहरबानी कम ही दिखती है। साहित्यकारों के खुद के जीवन पर डाक्यूमेंट्री फिल्मे ही हैं, बायोपिक बहुत कम हैं। हाँ, कालजयी साहित्य पर काफी फिल्में और टेलीसीरीज बनी हैं । रामायण और महाभारत- दोनों टेलीसीरियल के रूप में तो खूब चले ही, उनपर बार-बार नए प्रयोग भी हुए । आर. के. नारायण के सफ़ल उपन्यास मालगुडी डेज़ पर टेलीविजन सीरीज़; रवीन्द्रनाथ टैगोर और शरतचंद्र के सफ़ल उपन्यासों पर 'गुड्डी', 'देवदास', 'परिणीता'; कमलेश्वर के काली आंधी पर 'आंधी'; भीष्म साहनी के तमस पर 'अर्थ'; यशपाल के झूठा सच पर 'खामोश पानी'; कृष्णा सोबती के जिंदगीनामा पर 'ट्रेन टू पाकिस्तान'; अमृता प्रीतम के पिंजर पर 'ग़दरः एक प्रेम कथा' जैसी सफल और रोचक फ़िल्में बनी हैं। यहाँ तक कि रस्किन बॉन्ड के अंग्रेजी उपन्यास पर भी 'सात खून माफ़' बन चुकी है। मिर्ज़ा असद उल्लाह खान ग़ालिब के जीवन और कार्य पर 1976 में एक वृत्तचित्र(डाक्यूमेंट्री) बना था और 2011 में इसका दूसरा भाग । चाणक्य पर टेलीविजन सीरीज अवश्य बनी है मगर सच पूछें तो भारत के इतिहास में वे लेखक कम, एक कूटनीतिज्ञ और किंग - मेकर के रूप में अधिक जाने जाते है। लेखकों पर फिल्म न बनने का एक बड़ा कारण यह है कि हम उनके कथा- पात्रों से तो अपने को जुड़ा हुआ पाते हैं मगर उनकी जीवनी में अधिक रुचि नहीं लेते। सिनेमा उद्योग को लेखक से नाटकीयता और भावुकता भरी कहानी में दिलचस्पी होती है, उनके जीवन में नहीं। आम आदमी मनोरंजन के लिए टिकट खरीदता है और 'पैसा वसूल' दृश्यों में दिलचस्पी रखता है। व्यावसायिकता और ग्लैमर की भूख के कारण नाटकीय, बाजारू और सस्ते दृश्य और गीत, हिंसा, मार- धाड़, जादू-टोना , डराने वाले महल और ऐयाशी वाले विषय से जनता और सिनेमा निर्माता- दोनों ही इत्तफाक रखते है । मगर लेखक के जीवन में ऐसे नाटकीय, स्वपन- जगत के जैसे दृश्य शायद ही होते हों।लेखकों पर फिल्म न बनने का दूसरा बड़ा कारण यह है कि फिल्मांकन में किसी साहित्यकार का न्यायपूर्ण चित्रण बहुत दायित्व का कार्य है। किसी भी भाषा का साहित्य उस देश का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दर्पण और दस्तावेज होता है और साहित्यकार उसका प्रणेता। साहित्यकार या लेखक साधारण जनता की अपेक्षा अधिक कोमल हृदय, संवेदनशील और अभिव्यक्ति में कुशल होता है। वही एक फिल्म लेखक के रूप में पटकथा लिखता है- फिल्म या नाटक की। अब स्वयं साहित्यकार के जीवन पर फिल्म बनाने की अगर बात की जाए तो उसके जीवन की पटकथा लिखना भी एक महान और संवेदनशील लेखक के द्वारा ही संभव है।

कवि निराला ने कहा था-

दुख ही जीवन की कथा रही

क्या कहूँ आज जो नहीं कही।

यदि लेखक के मरणोपरांत उससे सहानुभूति दिखाने के बहाने उसके जीवन के दुखद प्रसंगों को सबके सामने चित्रित या उजागर किया जाय तो उसका असम्मान होगा। इसलिए साहित्यकार पर जब भी फिल्में बनें तो उसके व्यापक साहित्यिक और रचनात्मक योगदान को रेखांकित करने के लिए, उसके व्यक्तिगत जीवन की छोटी- मोटी और अनावश्यक बातों को तूल देने के लिए नहीं। फिल्म उसके सम्मान में बने, उसका तमाशा बनाने या फजीहत के लिए नहीं। फिल्म / डाक्यूमेंट्री विश्वसनीय और सत्य होते हुए कलात्मक और प्रेरणादायी भी हो, साहित्यकार के जीवन से प्रेरणा मिले और उसके साथ न्याय भी हो, ऐसी त्रिगुणात्मक पटकथा आवश्यक है। यह ध्यान रखना अनिवार्य है कि उसका जीवन - वृत्त व्यावसायिकता और ग्लैमर की भूख का शिकार न हो जाए। लेखकों पर फिल्म न बनने का तीसरा कारण है- मानव स्वभाव उन कहानियों की मांग अधिक करता है जिनमें जनता को अपना हीरो दिखाई दे। इस वजह से खिलाड़ियों और नेताओं- यहाँ तक कि उद्योगपतियों पर सफल फ़िल्में या टेलीफिल्म बन चुकी हैं। इसके उदाहरण हैं- नेहरू, गाँधी, इंदिरा गाँधी, धीरुभाई अम्बानी, मिल्खा सिंह, महेंद्र सिंह धोनी, मैरी कॉम। ये सभी व्यक्ति एक महान व्यक्तित्व के रूप में जनता के दिलो- दिमाग पर कभी- न- कभी राज कर चुके हैं और उतार- चढ़ाव भरा संघर्षमय जीवन जी चुके हैं। इन पर फिल्म बनाने पर बॉक्स ऑफिस पर चलने की सम्भावना अच्छी थी। इसके अलावा, विवादास्पद प्रसंगों में भी मानव मन को सहज कौतूहल होता है । इसीलिये मंटो के उतार- चढ़ाव से भरे विवादास्पद जीवन पर फ़िल्म बनी। अमृता प्रीतम पर फिल्म बनने से पहले ही समाचार पत्र और यू- ट्यूब पर उनके व्यक्तिगत जीवन से जुड़े अनेक किस्से सुखिर्याँ बटोरते नज़र आए। इससे साफ़ जाहिर होता है कि उनपर बन रही फिल्म का प्रयोजन सतही तौर पर उनका सम्मान हो सकता है पर असली मकसद उनके जीवन के विवादों और प्रेम प्रसंगों को बाक्स आफिस में भुनाने का ही दिखता है। अब तो अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत जिसके जीवन और मृत्यु- दोनों पर रहस्य और विवाद छाए रहे, के प्रेम प्रसंगों भरे जीवन पर भी फिल्म बन रही है।

शायद अंग्रेजी कवि शेली ने ठीक कहा था-

उदासी से भरे गीत हमें सबसे प्यारे लगते हैं।

लेखकों पर फिल्म न बनने का अगला कारण धन विनियोग से जुड़ा है। लेखक पर कमशिर्यल फ़िल्म बनाने से लोग बचते हैं क्योंकि इसके लिए भारी बजट लगाना पड़ता है और इन फिल्मों की सफ़लता में संशय होता है । फ़िल्म व्यवसायिकता की दृष्टि से बनाई जाती है?। हमारे यहाँ धीरूभाई और मेरी कॉम के रोल के लिए भी ग्लैमरस अभिनेता लिए जाते हैं ताकि फिल्में अच्छी कमाई कर सकें। मंटो की फिल्म के दर्शक भारत और पाकिस्तान- दोनों जगह से थे और कमाई की अच्छी सम्भावना थी। वैसे तो कम बजट में भी कई कलात्मक फिल्में बनती और सफ़ल होती हुई देखी गयी है मगर बजट के लिहाज से अच्छी डाक्यूमेंट्री बन सकती है जिस पर लाभ या हानि न हो। मिर्ज़ा ग़ालिब पर बनी सफल डाक्यूमेंट्री की तरह प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद , नरेंद्र कोहली, महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, हरिवंश राय बच्चन, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और सुमित्रा नंदन पंत जैसे महान व्यक्तित्व पर डाक्यूमेंट्री बन सकती है। टेलीसीरीज भी बन सकती है पर इसमें भी बड़े- बड़े कलाकारों की भीड़ जुटाना, नेटवर्क और ब्रोडकास्टिंग के निर्देशों का अनुपालन करना पड़ता है जो खर्चीला और असुविधाजनक हो सकता है। कमशिर्यल फ़िल्म, टेलीसीरीज या डाक्यूमेंट्री बनाने से बहुत बेहतर उपाय है- वेबसीरीज़ बनाना । वेबसीरीज़ में एक कैमरा, एक स्क्रिप्ट और उसे बोलने के लिए कुछ लोगों की आवश्यकता होती है जो पेशेवर अभिनेता नहीं होते । इसे यू-ट्यूब या अन्य वेबसाइट पर देखा जा सकता है। ईसा रे की सफल वेबसीरीज़ ' मिसएडवेंचर्स ऑफ़ ऑकवर्ड ब्लैकगर्ल' यू-ट्यूब पर काफी सफल हुई थी और फिर एच.बी.ओ. ने उसे अनुरोध किया था टेलीसीरीज 'इनसिक्योर' बनाने के लिए।सिनेमा स्वयं समाज की परिस्थितियों से जन्म लेता है मगर अपने प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण के द्वारा वह आनेवाले समय में समाज की दशा और दिशा- दोनों को प्रभावित करता है। इसलिए आवश्यक है कि सिनेमा घटिया और फूहड़ विषय चुनने की बजाय एक शिक्षित, स्वस्थ और सुखी समाज के निर्माण को अपना विषय बनाए वरना सामाजिक सुधार और क़ानून का राज्य जैसी उच्च भावनाएं दिवा- स्वपन बन कर रह जाएंगी। आशा है, यह बात अमृता प्रीतम की जीवनी बनाने वाले निर्माताओं, सरकारी अकादमी तथा फिल्म इंस्टिट्यूट तक अवश्य पहुँचेगी। बात केवल इच्छाशक्ति की है।

संज्ञेय अपराध में एफआईआर दर्ज कराने का कानूनी रास्ता

राजेश चौधरी/लीगल फोरम

संज्ञेय अपराध में प्रथम सूचना रिपोर्ट (इंई) दर्ज करना पुलिस की ड्यूटी है। यह अनिवार्य है। कई बार ऐसा भी होता है कि शिकायत देने के बावजूद पुलिस इंई नहीं करती। अगर पुलिस संज्ञेय अपराध में केस दर्ज करने में आनाकानी करे तो क्या हमारे पास कोई कानूनी रास्ता बचता है, यह पता होना चाहिए। संज्ञेय अपराध गंभीर क्राइम होते है, जैसे मर्डर, रेप, लूट, डकैती, हत्या की कोशिश, सेक्सुअल अपराध या ऐसा कोई भी क्राइम जिसमें आमतौर पर 3 साल या उससे ज्यादा की सजा मिलती हो। कई बार संज्ञेय अपराध होने के बाद जब शिकायती थाने जाते हैं तो पुलिस उनकी शिकायत पर मुहर लगाकर दे देती है लेकिन केस की इंई दर्ज नहीं होती। कानूनी जानकार करण सिंह बताते हैं कि अगर हम बाजार जा रहे हैं और किसी ने मोबाइल लूट लिया या फिर ऑफिस से बाहर निकले और देखा कि गाड़ी गायब है। कई बार घर के बाहर से भी गाड़ी चोरी हो जाती है। इन मामलों में पुलिस की ड्यूटी है कि केस दर्ज करके छानबीन करे। कई बार पुलिस केस दर्ज करने में आनाकानी करती है वैसे सीआरपीसी के तहत और सुप्रीम कोर्ट के ललिता कुमारी केस में दिए फैसले के तहत केस दर्ज करना जरूरी है। फिर भी केस दर्ज न किया जाए तो शिकायती अपने इलाके के मैजिस्ट्रेट की कोर्ट में गुहार लगा सकता है।हाई कोर्ट के वकील एमएस खान बताते हैं कि अगर अपराध संज्ञेय है तो पुलिस को इंई दर्ज करनी पड़ेगी।

सीआरपीसी की धारा-154 में प्रावधान है कि संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर पुलिस को केस दर्ज करना होगा। शिकायत के बावजूद पुलिस केस दर्ज नहीं करती है तो शिकायती 15 दिनों के भीतर अपने इलाके के डीसीपी या जिले के एसपी से शिकायत कर सकता है। शिकायती जब पहली बार थाने जाता है तो उसे शिकायत की दो कॉपी ले जानी चाहिए और एक कॉपी पर मुहर लगवाकर रिसिविंग लेनी चाहिए। जब थाने में केस दर्ज न हो तो आला अधिकारियों को दी गई शिकायत की भी मुहर लगी कॉपी अपने पास रखनी चाहिए। शिकायती चाहे तो ईमेल के जरिये भी इलाके के डीसीपी से शिकायत कर सकता है। इसके बाद भी अगर केस दर्ज न हो सके तो जिस इलाके में वारदात हुई है, उस इलाके के मैजिस्ट्रेट की कोर्ट में सीआरपीसी की धारा-156 (3) के तहत शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए पुलिस को दी गई शिकायत की कॉपी पेश करनी होती है और पूरी घटना का ब्यौरा अर्जी में देना होता है।एडवोकेट मनोज शर्मा बताते हैं कि जिले के हर थाने का इलाका मैजिस्ट्रेट (दिल्ली में मेट्रोपॉलिटन मैजिस्ट्रेट) तय होता है।

जिला अदालत में इसकी लिस्ट होती है। वहां के वकील की सहायता से मैजिस्ट्रेट की कोर्ट में अर्जी दाखिल कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान अगर शिकायती की दलील से कोर्ट संतुष्ट हो जाए तो इलाके के एसएचओ को नोटिस जारी किया जाता है और एसएचओ को केस दर्ज कर छानबीन करने का आदेश दिया जाता है। कई बार मैजिस्ट्रेट इलाके के एसएचओ से स्टेटस रिपोर्ट मांगते है और कोर्ट संतुष्ट हो तो केस दर्ज करने का आदेश दिया जाता है। अगर मैजिस्ट्रेट की कोर्ट से शिकायती की अर्जी खारिज हो जाए तो उसे अधिकार है और सेशन कोर्ट में मैजिस्ट्रेट की कोर्ट के फैसले को चुनौती दे सकते है। वहां भी अर्जी खारिज हो जाए तो हाईकोर्ट जा सकते है। इसका मतलब है कि पुलिस संज्ञेय मामले में केस दर्ज न करे तो हम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते है।

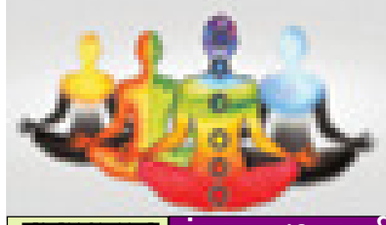

क्रियायोग संदेश

प्रयागराज मंगलवार 13 जुलाई 2021

पद के लिए संघर्ष राष्ट्रहित के विपरीत

आज आवश्यकता है हम सत् मार्ग का अनुसरण करें। पैगम्बर जिस मार्ग पर चले हैं, उसी मार्ग पर चलना सत् मार्ग का अनुसरण करना है। आज हमारे देश में लोग पद व धन के लिए लड़ते हैं। जिस धरती पर भगवान श्री राम, योगेश्वर श्रीकृष्ण, संत कबीर, नानक देव, प्रभु ईसा, प्रभु मूसा, पैगम्बर महात्मा गाँधी आदि महान विभूतियों ने कभी भी पद व धन के लिए संघर्ष नहीं किया। वहीं पर जो लोग जो पद व धन पाने के लिए लड़ते रहते हैं और एक-दूसरे को मिटाने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। यह परम्परा भारतीयता के विपरीत है। राष्ट्रहित के लिए यह आवश्यक है कि हम पद व धन के लिए मा-रामारी न करके सच्चे सेवाभाव का विस्तार करें। यह तभी संभव है जब व्यक्ति क्रियायोग ध्यान से जुड जाये।

QUALITY OF A TRUE LEADER

True leader is a humble servant of all citizens, charged with principle and philosophy of knowledge, peace and joy-giving ideas, thoughts, and concepts. Any person who is behind money and post cannot be a true leader of the nation. Practically, it is proved that a devoted Kriyayoga Meditator serves human beings and all creations of the nation as a humble servant and is never behind money and post.

A leader who is behind post and money always creates an atmosphere of criminal activities in the name of economic growth which is in actual fact, corrupt economic growth; thus, dividing humanity in the name of religion and always spreading rumours to divide family and society. Through these inhuman and criminal activities, the so-called leaders create a fellowship of their own kind, working to strengthen the power of divide and rule.

A leader should have spiritual love for all where there is no existence of idea, thought and concept of relativity behind any work performed. A leader is able to distribute all things to all persons according to their real need which awakens hidden power, knowledge and peace within their existence. In order to understand the lifestyle of a true leader, one should concentrate on visible existence of Self (head to toes). Observe the behaviour of mouth. The mouth eats all food which is distributed to all parts of body without discrimination. Exactly in the same way, a leader should work for the public and nation.

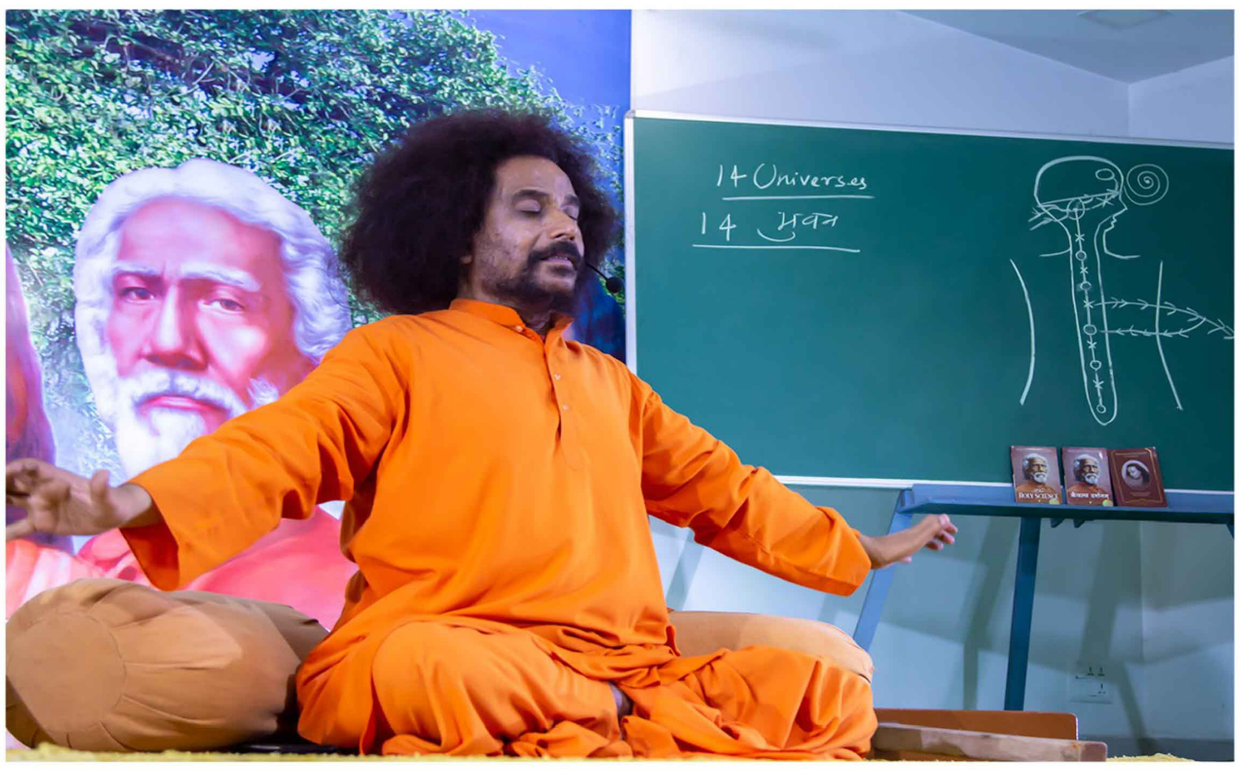

Kriyayoga: Spiritual Journey of The 14 Universes

As understood by disciples during class sessions of Guruji Swami Shree Yogi Satyam, Kriyayoga Master & Scientist

Decide to follow the path that is of all prophets of all lands and ages. All of them taught one thing - there is no time and space. There is only Immortality.

Before Lahiri Mahasaya, there was no concept or knowledge of Kriyayoga meditation. Whatever methods suggested were incomplete meditation techniques. Many believed a specific method was practised by Buddha - Vipassana and similarly a other Jain method was practised by Mahavir Swami. However, through the practise of these incomplete techniques, no one has been able to reach the advanced states of the great Masters.

In the lineage of Kriyayoga, however, we have seen several examples of those who have through the practice of Kriyayoga Meditation, reached great heights as Lahiri Mahasaya. For example, Sri Yukteswar Giri and his disciple, Sri Paramahansa Yogananda. Further proof of the effectiveness of Kriyayoga meditation can be seen through the existence and widespread of the SRF/YSS Lessons that are promoting the same teachings of Immortality.

With the sincere practice of Kriyayoga meditation, we will not have

insecurities in life. All complaints in life will disappear. Complaints arise due to non-acceptance of another's language, behaviour or actions. When we put into effect the philosophy of Kriyayoga in our lives, and realize the existence of the one Consciousness that is Omnipresent that decides the plan of all events that occur, then we refrain from forming any judgements of our own. When this happens, we will be better able to easily comprehend Kriyayoga philosophy. As we connect with Kriyayoga more and more, our real journey begins... - the travel within through the 14 universes - 7 heavens (swargas) and 7 hells (paataals).

Through Kriyayoga Meditation, we will have a spiritual tour. This journey will be through 14 universes. As we travel through them, we will have more and more knowledge of them and then we will be able to create them as well. Therefore, this spiritual tour of travel through the 14 universes will bring the highest benefit to us. Have infinite patience while we start this journey.

Lahiri Mahasaya said, "Banat Banat Banjaye". Likewise, Jesus Christ also said, " Knock and knock... Door will be opened "

Kriyayoga is the spiritual jetplane that is the 100% secure and safe flight from one universe to another.

When we start the practice of Kriyayoga, we are starting the journey of entry into the 14 universes. Persistent practice of Kriyayoga will teach us how to create the universes.

Wisest are those who have chosen to start this special and most satisfying spiritual journey through the 14 universes and to complete the journey.

इटली के मिलान में यूरो 2020 जीत के जश्न में 15 लोग हुए घायल, 3 अस्पताल में भर्ती

रोम (एजेंसी)। इटली के मिलान में रविवार रात यूईएफए यूरो 2020 फाइनल में इटली की जीत के जश्न के दौरान 15 लोग घायल हो गए। इटली के नेशनल समाचार पत्र कोरिएरे डेला सेरा के मुताबिक, घायल हुए 15 लोगों में से तीन लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

यूरो कप फाइनल में हार के बाद इंग्लिश खिलाड़ियों के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी, पुलिस ने शुरू की जांच अधिकतर लोगों को चोटें मुख्य रूप से कैथेड्रल स्क्वायर पर आतिशबाजी के कारण आईं हैं, जहां हजारों लोग रविवार रात को जश्न मनाने के लिए इकट्ठे हुए थे। अस्पताल में भर्ती लोगों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। खबरों के मुताबिक, उसके पेट में गहरा घाव है, दूसरे की तीन उंगुलियां कट गई हैं, जबकि तीसरे को कथित तौर पर सड़क पर पड़े बैरियर गिरने से चोटें आई हैं।

उल्लेखनीय है कि इटली के फैन्स ने मिलान शहर की नहरों में तैरकर और कूड़ेदान जलाकर इटली की जीत का जश्न मनाया था। कुछ लोग ट्राम के ऊपर चढ़ गए थे और फव्वारों में कूद गए थे। इसी दौरान डकैती के कुछ मामले भी सामने आए, लेकिन अपराधियों को जल्दी पकड़ लिया गया और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

स्कॉट स्टायरिस ने यूरो कप 2020 फाइनल में हार के बाद इंग्लैंड के जख्मों पर कुछ ऐसे छिड़का नमक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड का विम्बले स्टेडियम यूरो कप 2020 के फाइनल का गवाह बना। इटली ने इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। इटली की टीम जहां खुशी से झूम रही थी, वहीं इंग्लैंड टीम और उसके फैन्स काफी निराश थे। घर पर खेलने के कारण इंग्लैंड की टीम फेवरेट थी, मगर इटली की टीम ने सबको गलत साबित कर दिया। दुनियाभर में खेल जगत की हस्तियों ने इटली को उनकी इस जीत पर बधाई और इंग्लैंड को सांत्वना दे रहे हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर स्कॉट स्टायरिस इंग्लैंड की इस हार पर फब्तियां कस कर उनके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम कर रहे हैं।इंग्लैंड की इस हार के बाद कीवी क्रिकेटर स्कॉट स्टायरिस ने एक ट्वीट किया जो अब वायरल हो गया है। उन्होंने लिखा है, 'मुझे समझ नहीं आया, इंग्लैंड के पास ज्यादा कॉर्नर थे, वो विजेता हैं।' इस मैच में इंग्लैंड का कॉर्नर काउंट इटली से ज्यादा था। इंग्लैंड के पांच कॉर्नर वहीं इटली के तीन कॉर्नर थे। इससे पहले एक और कीवी क्रिकेट जेम्स नीशम ने ट्वीट कर इंग्लैंड की इस हार पर व्यंग किया।यह ट्वीट साफतौर पर इंग्लैंड की क्रिकेट वर्ल्ड कप 2019 जीत पर तंज था। 2019 के क्रिकेट वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराया था।

यूरो कप फाइनल में हार के बाद इंग्लिश खिलड़ियों के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी, पुलिस ने शुरू की जांच

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन की पुलिस ने इटली के खिलाफ यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में इंग्लैंड की हार के दौरान पेनल्टी पर गोल करने से चूकने वाले तीन अश्वेत खिलाड़ियों के प्रति नस्ली दुर्व्यवहार की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने मार्कस रशफोर्ड, बुकायो साका और जेडन सांचो के प्रति दुर्व्यवहार को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि वे आक्रामक और नस्ली सोशल मीडिया पोस्ट की जांच करेंगे। नियमित और फिर अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद इटली ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत दर्ज की। इंग्लैंड के फुटबॉल संघ (एफए) ने बयान जारी करके कहा कि वे इस घटिया बर्ताव से स्तब्ध हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों को कार्रवाई करनी चाहिए। जिससे कि उनका मंच घृणित दुर्व्यवहार से मुक्त रहे। एफए ने कहा, 'हम प्रभावित खिलाड़ियों के समर्थन के लिए वह सब कुछ करेंगे जो कर सकते हैं। साथ ही इसके लिए जिम्मेदार लोगों के लिए कड़ी से कड़ी सजा की अपील करते हैं।'

संघ ने कहा, 'खेल से भेदभाव को बाहर करने के लिए हम हर संभव प्रयास जारी रखेंगे, लेकिन हम सरकार से विनती करते हैं कि वे जल्द से जल्द कार्रवाई करें और इस दुर्व्यवहार के खिलाफ उचित कानून बनाएं।

लियोनेल मेसी ने कोपा अमेरिका खिताब को महान डिएगो मारोडोना को किया समर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्जेंटीना ने शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन ब्राजील को हराकर कोपा अमेरिका का खिताब अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही अर्जेंटीना साल 1993 के बाद पहली बार किसी बड़े खिताब को जीतने में सफल रही, साथ ही टीम के कप्तान लियोनेल मेसी भी अपनी टीम को पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट में चैंपियन बनाने में कामयाब रहे। टीम को 15वीं बार कोपा अमेरिका का चैम्पियन बनाने के बाद मेसी ने इस खिताब को अपने परिवार, देश और महान फुटबॉलर डिएगो मारोडोना को समर्पित किया है। मेसी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया और लिखा कि, 'मैं इस सफलता को अपने परिवार को समर्पित करना चाहता हूं, जो हमेशा मेरी मजबूती बनकर रहे हैं। साथ ही यह खिताब मेरे उन सभी दोस्तों और लोगों के लिए है, जिनसे मैं बहुत प्यार करता हूं और जो हमारा खुलकर समर्थन करते हैं। सबसे बढ़कर इस खिताब को उन 45 मिलियन अर्जेंटीना के लोगों को समर्पित करता चाहता हूं, जिन्होंने इस भयानक कोरोना वायरस का सामना किया है।

ब्राजील के खिलाफ फाइनल मैच में अर्जेंटीना की तरफ से एंजले डि मारिया ने पूरे मैच में एकमात्र गोल किया। अर्जेंटीना और मेसी के लिए यह जीत काफी बड़ी है, क्योंकि अर्जेंटीना की टीम ने आखिरी बार 1993 में किसी बड़े खिताब पर कब्जा जमाया था। कोपा अमेरिका टूर्नामेंट में अर्जेंटीना को मिली साल 2007, 2015 और 2016 में हार में मेसी टीम का हिस्सा रहे थे। इसके अलावा विश्व कप 2014 में जर्मनी के हाथों मिली हार भी मेसी को काफी चुभी थी।

आपातकाल के कारण टोक्यो में लोग नहीं मना पाएंगे ओलंपिक से जुड़े जश्न

टोक्यो (एजेंसी)। ओलंपिक खेलों के शुरू होने से 11 दिन पहले जापान की राजधानी में सोमवार से आपातकाल लागू कर दिया गया, क्योंकि यहां नए मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और अस्पतालों के बिस्तर भरने लगे हैं। छह सप्ताह का यह आपातकाल 22 अगस्त तक लागू रहेगा। महामारी के शुरू होने के बाद यह चौथी बार है जब टोक्यो में आपातकाल लागू किया गया है। नए आपातकाल का मुख्य लक्ष्य बार और रेस्तरां में परोसी जाने वाली शराब को रोकना है, क्योंकि अधिकारी चाहते हैं कि लोग सार्वजनिक रूप से इकट्ठा होने की जगह घर में रहें और टेलीविजन पर इन खेलों का लुत्फ उठाएं।

आपातकाल के दौरान पार्क, संग्रहालय, थिएटर और अधिकांश दुकानें एवं रेस्तरां को रात 8 बजे बंद करने का अनुरोध किया गया है। टोक्यो के निवासियों से गैर जरूरी चीजों के लिए बाहर निकलने से बचने और घर से काम करने का अनुरोध किया गया है। लोगों को मास्क पहनने और अन्य सुरक्षा उपायों को अपनाने के लिए कहा गया है। इस आपातकाल से टोक्यो की 1.4 करोड़ जनता के साथ चिबा, सैतामा और कानागावा जैसे आसपास के शहरों के कुल 3.1 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। इस आपातकाल के उपायों को ओसाका और दक्षिणी द्वीप ओकिनावा में भी लागू किए गए है।स्टेडियम में फैन्स के नहीं होने से इसका 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाले ओलंपिक पर भी काफी असर पड़ेगा। नए बैन के बाद फैन्स इन खेलों को सिर्फ टेलीविजन पर देख पाएंगे। टोक्यो में शनिवार को कोविड-19 संक्रमण के 950 मामले सामने आए जो पिछले दो महीने में सबसे ज्यादा है। जापान ने हालांकि दूसरे देशों की तुलना में वायरस का बेहतर तरीके से सामना किया है। वहां इसके लगभग 8.20 लाख मामले दर्ज हुए है जिसमें से मरने वालो की संख्या 15,000 है।

सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि टोक्यो के लोग बार-बार लगने वाले आपातकाल से उब गए हैं और इसमें अब सरकार का सहयोग नहीं कर रहे है।

बड़ी संख्या में युवा रात आठ बजे के बाद सड़कों और पार्कों में इकट्ठा हो जा रहे है और उन्हें रोकने के लिए अधिकारियों ने रात में गश्त शुरू कर दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री नोरिहिसा तमुरा ने कहा है कि ओलंपिक के उत्सव के बीच लोगों को शराब पीने से प्रभावी रूप से रोकना बड़ा सिरदर्द होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि जापान में लोग अपनी गर्मी की छुट्टियों और ओलंपिक के दौरान घूमने के कारण एथलीटों और अन्य प्रतिभागियों की तुलना में वायरस के प्रसार में अधिक खतरनाक हो सकते हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने की इंग्लिश खिलड़ियों पर हुई नस्लीय टिप्पणी की आलोचना, बोले- शर्म आनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इंग्लैंड टीम के खिलाड़ियों पर की गई नस्लीय टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है। जॉनसन ने कहा कि इस तरह की हरकत करने वाले लोगों को खुद पर शर्म आनी चाहिए। दरअसल, यूरो कप 2020 के फाइनल मुकाबले में इटली के हाथों पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करने के बाद इंग्लैंड के तीन अश्वेत खिलाड़ियों पर निशाना साधा गया और सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां की गईं। बोरिस जॉनसन ने अपने ट्वीट में लिखा, 'इंग्लैंड की यह टीम सोशल मीडिया पर नस्लीय गाली-गलौज नहीं, बल्कि हीरो की तरह तारीफ पाने की हकदार है। इस तरह के घटिया दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार लोगों को खुद पर शर्म आनी चाहिए।' रविवार रात हुए फाइनल में मार्कस रशफोर्ड की पेनल्टी गोल पोस्ट से टकरा गई थी जबकि बुकायो साका और जेडन सांचो की पेनल्टी को इटली के गोलकीपर ने रोक दिया। नियमित और अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद इटली ने पेनल्टी शूट आउट में 3-2 से जीत दर्ज की। 19 साल के साका निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलने में नाकाम रहे, जिससे इटली ने खिताब जीता और इंग्लैंड की टीम 1966 विश्व कप के बाद अपना पहला बड़ा खिताब जीतने में नाकाम रही। इन तीनों खिलाड़ियों को तुरंत की सोशल मीडिया पर नस्ली दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड के फुटबॉल संघ ने बयान जारी करके कहा कि वे इस 'घटिया बर्ताव से स्तब्ध हैं।

खिताब जीतने वाले जोकोविच ने छोटी बच्ची को गिफ्ट किया अपना रैकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सबिया के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने विंबडलन 2021 के फाइनल में मेन सिंगल्स का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी ने फाइनल में इटली के मैटियो बेरेटिनी को 7-6, 6-3,6-4 ,6-3 से हराकर अपने करियर का 20वां ग्रैंडस्लैम जीता। विंबलडन में जोकोच का यह लगातार तीसरा खिताब है।

मैच के बाद जोकोविच ने खिताब अपने नाम किया, लेकिन उससे पहले उन्होंने एक ऐसा काम किया, जिससे वह फैन्स का दिल जीतने में कामयाब रहे। मैच के बाद जोकोविच कोर्ट के दूसरी साइड गए, जहां वह एक नन्हीं सी बच्ची से मिले और उसे अपना रैकेट भेंट किया। जोकोविच का रैकेट पाकर बच्ची की खुशी का ठीकाना नहीं रहा। दर्शकों के बीच बैठी वो बच्ची अपने हाथ में नोवाक के नाम का बैनर लिए हुई थी, जिसपर नोवाक के नाम का अक्षर लिखा हुआ था।

बच्ची के बैनर पर एक तरफ दिल बना हुआ था और दूसरी तरफ जोकोविच का फोटो लगा हुआ था। साथ में उनके नाम का वर्ड भी लिखा हुआ था। बैनर पर 'एन' का मतलब

'नंबर -1', 'ओ' का मतलब 'आउटस्टैंडिंग', 'वी' का मतलब 'विक्ट्रीज', 'ए' का मतलब 'एम्बीशंस' और 'के' का मतलब 'किशेबल' लिखा हुआ था। विंबलडन टूर्नामेंट के ट्विटर और इंस्टाग्राम पर बच्ची का यह वीडियो काफी वायरल रहा है और फैन्स इसे काफी लाइक कर रहे हैं। विंबलडन खिताब जीतने के साथ ही जोकोविच ने रोजर फेडरर और राफेल नडाल के सर्वाधिक 20 ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। जोकोविच ने इस साल खेले गए फ्रेंच ओपन 2021 का खिताब भी अपने नाम किया था। वहीं, बेरेटिनी विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले इटली के पहले खिलाड़ी थे। पिछले 45 सालों में ये पहला अवसर था, जब इटली का कोई खिलाड़ी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा। जोकोविच का ये 6वां विंबडलन खिताब है।

एक और खिलाड़ी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद डर्बीशायर और एसेक्स का मैच रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड में जारी काउंटी क्रिकेट चैम्पियनशिप में खिलाड़ियों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और मिडलसेक्स के कप्तान पीटर हैंडसकॉम्ब के काउंटी क्रिकेट चैम्पियनशिप में कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद डर्बीशायर का खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।

खिलाड़ी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद डर्बीशायर और एसेक्स के बीच डर्बी में होने वाले काउंटी चैम्पियनशिप के मैच को रद्द कर दिया गया है। डर्बीशायर की टीम मैच के पहले दिन 146 रन बनाकर आआउट हो गई थी और एसेक्स को दूसरे दिन तीन विकेट पर 86 रन से आगे अपनी पारी की शुरुआत करनी थी। डर्बी काउंटी टीम ने ट्विटर पर बताया कि मैच को कैंसिल कर दिया गया है। टीम ने एक बयान में कहा, ' रविवार की शाम किए गए टेस्ट के बाद डर्बी काउंटी इस

बात को कंफर्म करता है कि उसका एक खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।' क्लब ने हालांकि खिलाड़ी के नाम को उजागर नहीं किया है। लेकिन उस खिलाड़ी के साथ रहने वाले बाकी अन्य खिलाड़ियों को भी सेल्फ आइसोलेशन में भेज दिया गया है।

इस बीच, डर्बीशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने कहा है कि वो जल्द ही दर्शकों के टिकट के पैसे भी वापस करेगा। इससे पहले, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और मिडलसेक्स के कप्तान पीटर हैंडसकॉम्ब भी काउंटी क्रिकेट चैम्पियनशिप में खेलते समय कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। 30 साल के हैं।

सकॉम्ब कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद रविवार को लिसेस्टरशायर के खिलाफ खेले गए चै?म्पियनशिप के ग्रुप दो मैच से बाहर हो गए और उनकी जगह आयरलैंड के तेज गेंदबाज टिम मुर्तग को टीम का अंतरिम कप्तान बनाया गया। दाएं हाथ के बल्लेबाज काउंटी चैम्पियनशिप के मौजूदा सीजन में रन बनाने के जूझ रहे हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के सात मैचों में 17.46 की औसत से अब तक केवल 227 रन ही बनाए हैं। उनकी खराब बल्लेबाजी के कारण टीम का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा है और टीम ने नौ मैचों में से केवल एक में ही जीत दर्ज की है, जबकि एक में उसे ड्रॉ खेलना पड़ा है।

आकाश चोपड़ा ने बताया मुंबई इंडियंस किन खिलड़ियों को कर सकता है रिटेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के लिए मेगा ऑक्शन होना है। इस दौरान सभी फ्रेंचाइजी टीमें रिटेंशन और राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड के जरिए अपने कुछ खिलाड़ियों को अपने पास रख सकती हैं।

आईपीएल की सबसे सफल फ्रेंचाइजी टीम मुंबई इंडियंस ने हमेशा से अपनी कोर टीम पर भरोसा रखा है। पिछले मेगा ऑक्शन (2018) की बात करें तो मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को रिटेन किया था। कीरोन पोलार्ड और क्रुणाल पांड्या को राइट टू मैच के जरिए टीम में वापस लिया गया था। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा स्टार हिंदी कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने आईपीएल 2022 के लिए होने वाले मेगा ऑक्शन को लेकर मुंबई इंडियंस को कुछ सलाह दी हैं। उन्होंने बताया है कि मुंबई इंडियंस को किन चार खिलाड़ियों को इस बार रिटेन करना चाहिए।

आकाश चोपड़ा के हिसाब से रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह के अलावा कीरोन पोलार्ड ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें टीम जरूर रिटेन करना चाहेगी। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मेगा ऑक्शन को लेकर जो पहली टीम मेरे दिमाग में आती है, वह है मुंबई इंडियंस। रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या 100 फीसदी आप इन तीनों खिलाड़ियों को रिटेन करना चाहेंगे। मुझे लगता है कि वह पोलार्ड को रिटेन करेंगे, तो इस तरह से मेरे हिसाब से मुंबई इंडियंस रोहित, हार्दिक, बुमराह और पोलार्ड को रिटेन करेंगे। आकाश चोपड़ा ने कहा कि इसके अलावा मुंबई इंडियंस क्विंटन डिकॉक और ट्रेंट बोल्ट के लिए आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर सकती है। इन दोनों ने ही पिछले दो सालों में टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। मुंबई इंडियंस मौजूदा चैंपियन है। आईपीएल 2021 की बात करें तो पहले फेज का खेल हो चुका है और दूसरे फेज का टूर्नामेंट 19 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच युनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा।

बेन स्टोक्स ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले इंग्लैंड के 25वें खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच इन दिनों तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। मेजबान इंग्लैंड की टीम ने पहले दोनों वनडे मैच जीतकर सीरीज में 2-0 की लीड ले ली है। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच बर्मिंघम में मंगलवार को खेला जाएगा। टीम के अनुभवी ऑलराउंडर और इस सीरीज में कप्तानी कर रहे बेन स्टोक्स ने इस दौरान अपने नाम एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। स्टोक्स इंग्लैंड के लिए 100 वनडे मैच खेलने वाले 25वें खिलाड़ी बन गए हैं। इंग्लैंड क्रिकेट ने

सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट की है, जिसमें स्टोक्स को 100वां वनडे कैप दिया गया है। स्टोक्स ने 2011 में डेब्यू किया था और उन्होंने इंग्लैंड की टीम के लिए अब तक 2839 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक शामिल हैं। ऑलराउंडर ने साथ ही अपने टीम के लिए अब तक 74 वि?केट भी चटकाए हैं। इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने देश के लिए अब तक सबसे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने 223 वनडे मैचों में अब तक 6957 रन बनाए है। मोर्गन इस समय क्वारंटीन में है क्योंकि पाकिस्तान के खिलाफ जारी वनडे सीरीज के शुरू होने से पहले ही इंग्लैंड टीम के कुछ खिलाड़ी और सपोर्ट कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इसके कारण इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को सीरीज के लिए पूरी नई टीम का चयन करना पड़ा था। वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड को पाकिस्तान के साथ टी20 सीरीज भी खेलनी है।

कश्मीरी पंडित महिलाओं का अंतिम संस्कार कर मुसलमानों ने पेश की अनोखी मिसाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कभी आतंकवाद तो कभी राजनीति कश्मीर की फिजाओं में जहर घोलना चाहती है। लेकिन इन सबके बावजूद अभी भी यहां कश्मीरियत जिंदा है। हाल ही में हुई एक घटना से यह बात एक बार फिर से साबित हो चुकी है। दक्षिणी कश्मीर के कुलगाम जिले में मुसलमानों ने दो कश्मीरी पंडित महिलाओं का अंतिम संस्कार का सामाजिक समरसता की मिसाल पेश की। यह महिलाएं उन कश्मीरी पंडितों के परिवार की थीं, जिन्होंने 1990 में कश्मीर नहीं छोड़ा था। रिपोर्टों के मुताबिक चंद रानी 80 और कौशली देवी 83 की मौत हो गई थी। इसके बाद मुसलमानों ने दोनों की हिंदू रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया। स्थानीय निवासी गुलाम मोहुद्दीन शाह ने बताया सभी क्रियाकर्म मुसलमानों ने ही संपन्न कराए। कश्मीरी पंडित महिलाओं के शव को दाह संस्कार के लिए ले जाने और आखिरी वक्त तक सबने बारीकी से निगाह रखी। रमेश कुमार नाम के कश्मीरी पंडित ने कहा कि कश्मीरी मुसलमान और पंडित एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

दोनों के बीच भाईचारा और सांप्रदायिक सद्भाव कभी खत्म नहीं होगा। हालांकि कुछ ?खबरों में कहा गया है कि दोनों महिलाओं का अंतिम संस्कार उनके रिश्तेदारों ने किया। इस दौरान मुस्लिमों ने उन्हें सभी तरह की मदद मुहैया कराई।

मॉनसून सत्र के दौरान हर दिन विपक्षी पार्टियों को वार्निंग लेटर भेजेगा संयुक्त किसान मोर्चा, संसद के बाहर प्रदर्शन का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र 19 जुलाई से शुरू हो रहा है। विपक्ष ने कई मुद्दों पर सरकार को संसद के अंदर घेरने की योजना बनाई है तो संसद के बाहर भी इस सत्र के दौरान हंगामा देखने को मिल सकता है। दरअसल अभी तीन कृषि कानूनों को हटाने की मांग को लेकर किसानों का प्रदर्शन खत्म नहीं हुआ है। इस बीच सोमवार को संयुक्त किसान मोर्चा ने ऐलान किया है कि वो पूरे मॉनसून सत्र के दौरान हर दिन विपक्षी पार्टियों को एक वार्निंग लेटर भेजेगा।इस लेटर के जरिए संसद के अंदर बैठे विपक्षी पार्टियों के सदस्यों से कहा जाएगा कि वो संसद में किसानों की आवाज को उठाएं। संसद के अंदर के अलावा सरकार के खिलाफ संसद के बाहर मोर्चाबंदी करने का प्लान भी संयुक्त किसान मोर्चा ने बनाया है।

सीएम हेमंत विश्व सरमा के दावा- मिजोरम के लोगों ने असम की 1800 हेक्टेयर जमीन पर किया कब्जा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व सरमा ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि पड़ोसी राज्य मिजोरम के लोगों ने असम के तीन जिलों में लगभग 1800 हेक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है।

मुख्यमंत्री का बयान ऐसे समय आया है जब मिजोरम के लोगों द्वारा कथित तौर पर असम के कछार जिले में जमीन पर कब्जा करने की पृष्ठभूमि में दोनों राज्यों के बीच तनाव की स्थिति है। आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआइयूडीएफ) के विधायक सुजामउद्दीन लस्कर के सवाल का जवाब देते हुए सरमा ने कहा कि बराक घाटी क्षेत्र में कुल 1,777.58 हेक्टेयर जमीन पर मिजोरम से आए लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है।

सरमा ने कहा कि इसमें से सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले हैलाकांदी जिले की एक हजार हेक्टेयर जमीन पर कब्जा किया गया है। उन्होंने कहा कि कछार में 400 हेक्टेयर और करीमगंज में 377.58 हेक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जा किया गया।

गृह विभाग का भी कार्यभार

संभाल रहे सरमा ने कहा कि असम पुलिस द्वारा गश्त और क्षेत्र में उपस्थिति दर्ज कराने जैसे उपाय किये गए हैं ताकि जमीन से अवैध कब्जा हटाया जा सके और असम की ओर रहने वाले लोगों की सुरक्षा हो सके। उन्होंने कहा, असम मिजोरम सीमा पर हैलाकांदी, करीमगंज और कछार जिले में कुल नौ बॉर्डर आउटपोस्ट स्थापित किये गए हैं। इनमें से छह हैलाकांदी में, दो करीमगंज में और एक कछार में स्थित है।

असम में किडनी रैकेट! गरीबी की वजह से कई लोगों ने बच दी किडनी, शिकायत के बाद महिला समेत 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के कुछ इलाकों में रहने वाले लोग अत्यधिक गरीबी की वजह अपनी किडनी बेचने के लिए मजबूर हो रहे हैं। देश के पूर्वोत्तर राज्य में किडनी रैकेट के पर्दाफाश होने का दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस किडनी रैकेट का खुलासा उस वक्त हुआ जब यहां कुछ लोगों ने एक कथित एजेंट समेत चार लोगों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। यह भी कहा जा रहा है कि अब तक 30 लोगों ने यहां गरीबी की वजह से अपनी किडनी बेच दी है। यह मामला मोरीगांव जिले के दक्षिण धर्मातुल गांव का है। 'ऊप नै घ्र्हैह' जै' की एक रिपोर्ट के मुताबिक आधा दर्जन से ज्यादा लोगों ने मीडिया के सामने आकर यह बात कबूल की है कि उन्होंने अपनी किडनी बेच दी है। बताया जा रहा है कि इस गांव के ज्यादातर लोग किसान हैं या फिर दैनिक मजदूर और ये सभी कोरोना महामारी की वजह से लॉकडाउन लगने के बाद काफी आर्थिक परेशानियों से गुजर रहे थे।

कुछ लोगों का कहना है कि लोन चुकाने के लिए उन्होंने अपनी किडनी बेची है। कुछ लोगों ने मीडिया के सामने यह बताया है कि अपने परिवार के सदस्य के इलाज के लिए उन्होंने अपनी किडनी बेची है। किडनी बेचने वालों में से कुछ लोगों ने मीडिया को बताया कि किडनी रैकेट चलाने वाले लोग उन्हें लेकर कोलकाता लेकर गये थे जहां उनकी सर्जरी की गई थी। अभी हाल ही में गांव के लोगों ने इस किडनी रैकेट में शामिल एक कथित एजेंट और तीन अन्य लोगों

को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया है। पुलिस ने इस रैकेट की पुष्टि की है।

मोरीगांव की पुलिस अधीक्षक अपर्णा नटराजन ने बताया है कि इस मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें एक महिला भी शामिल है। कितने लोगों ने अब तक अपनी किडनी बेची है? इसकी संख्या को लेकर पुलिस ने अभी कुछ भी नहीं कहा है। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि इस संबंध में सभी सूचनाएं राज्य की संबंधित कमेटी को सौंपी गई है और मामले की जांच की जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक इस रैकेट में शामिल जिस कथित एजेंट को पकड़ा गया है उसका नाम लिलीमई बोडो है। लिलीमई गुवाहाटी का रहने वाला है। उसे गांव वालों ने उस वक्त पकड़ा जब वो गांव में अपनी किडनी बेचने वाले गरीब इच्छुक लोगों की तलाश में भटक रहा था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लिलीमई यहां गरीब लोगों को किडनी के बदले 4-5 लाख रुपए देने का लालच देता था।

टूरिस्ट प्लेस में उमड़ती भीड़ पर आईएमए की चेतावनी

ये कोरोना की तीसरी लहर का मुख्य कारण बन सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने सरकार और लोगों के ढिलाई बरतने तथा कोविड-19 प्रोटोकॉल का अनुपालन किये बगैर बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने को लेकर सोमवार को चिंता प्रकट की। साथ ही, कहा कि ये घटनाएं महामारी की तीसरी लहर का मुख्य कारण बन सकती हैं।

आईएमए ने एक बयान में कहा कि पर्यटकों का आगमन, तीथ्यात्राएं, धार्मिक उत्साह जरूरी हैं लेकिन कुछ और महीने इंतजार किया जा सकता है। चिकित्सकों के संगठन ने कहा कि वैश्विक साक्ष्य और किसी भी महामारी के इतिहास से यह

पता चलता है कि तीसरी लहर अवश्यंभावी और आसन्न है। बयान में कहा गया है, हालांकि, यह जिक्र करना दुखद है कि इस नाजुक वक्त में, जब हर किसी को तीसरी लहर की संभावना घटाने के लिए काम करने की जरूरत है, देश के कई हिस्सों में, सरकारें और लोग ढिलाई बरत रहे हैं तथा कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन किये बगैर बड़ी संख्या में एकत्र हो रहे हैं। पर्यटकों का आगमन, तीथ्यात्राएं और धार्मिक उत्साह, ये सभी जरूरी हैं लेकिन कुछ महीने इंतजार किया जा सकता है।

आईएमए ने कहा, इनकी इजाजत देना और लोगों को टीका लगवाए बगैर इस भीड़भाड़ में शामिल होने देना कोविड की तीसरी लहर में बड़ा योगदान दे सकता है। ओडिशा के पुरी में सालाना रथ यात्रा शुरू होने के दिन और उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा की अनुमति दिए जाने की वार्ता होने के बीच यह बयान आया है। आईएमए ने सभी राज्यों से लोगों की भीड़भाड़ को रोकने की अपील की है।

5 सितंबर को करेंगे बड़ी पंचायत, हम चुनाव नहीं लड़ेंगे; वोट की चोट देंगे: टिकैत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए कृषि कानून के खिलाफ आंदोलन कर किसानों के नेता राकेश टिकैत ने सोमवार को कहा कि हम 5 सितंबर को एक बड़ी पंचायत करेंगे। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि 5 सितंबर को हम एक बड़ी पंचायत करेंगे जिसमें किसान आंदोलन के लिए आगे की रणनीति बनाएंगे। हम चुनाव नहीं लड़ेंगे। हम वोट की चोट देंगे। बता दें नए कृषि कानून के खिलाफ किसानों का आंदोलन कई महीने बात भी जारी है। सरकार के साथ कई दौर की बातचीत के बाद भी किसान पीछे हटने को तैयार नहीं है। पिछले दिनों किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने एक बार फिर दोहराया था कि अगर केंद्र कृषि कानूनों पर चर्चा चाहता है तो हम बातचीत के लिए तैयार हैं। इसी बीच उन्होंने कृषि कानूनों के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाने की बात पर सफाई भी दी थी। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि 22 जुलाई से हमारे 200 लोग संसद के पास विरोध प्रदर्शन करेंगे। साथ ही उन्होंने कि हमने ये नहीं कहा था कि कृषि कानूनों को लेकर संयुक्त राष्ट्र में जाएंगे।

कोविड-19 वैक्सीन की मिक्सिंग और मैचिंग है खतरनाक, डब्लूएचओ ने चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना के खिलाफ अभी पूरी दुनिया में लड़ाई जारी है। कोशिश यह है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक कोविड-19 के खिलाफ लड़ने वाली वैक्सीन को पहुंचाया जा सके। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 वैक्सीन के मिक्सिंग और मैचिंग को लेकर चेताया है।

सोमवार को संगठन की मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर सौम्या स्वामीनाथन ने चेतावनी देते हुए कि अलग-अलग कंपनियों के बने वैक्सीन का इस्तेमाल पहले और दूसरे डोज के तौर पर करना एक खतरनाक ट्रेंड है। ँध्र् की तरफ से साफ किया गया है कि इस मिक्सिंग के क्या परिणाम होते हैं, इसके बारे में कोई डेटा उपलब्ध नहीं है। एक ऑनलाइन ब्रिफिंग के दौरान स्वामीनाथन ने कहा कि 'कई लोगों ने हमसे पूछा कि उन्होंने वैक्सीन की एक डोज ली है और उनकी योजना है कि वो वैक्सीन की दूसरी डोज किसी अन्य कंपनी की लें। लेकिन यह थोड़ा खतरनाक ट्रेंड है। हमारे पास वैक्सीन के मिक्सिंग और मैचिंग को लेकर कोई डेटा उपलब्ध नहीं है। अलग-अलग कंपनियों की वैक्सीन को मिलाने और मैचिंग करने का यह तरीका इम्यून को बढ़ाने के लिए किया जाता है। फाइजर, एस्ट्रेजेनिका, और स्पूतनिक इन सभी वैक्सीनों के दो डोज दिये जा रहे हैं और सभी कंपनियों के वैक्सीन के डोज के

बीच का समय अंतराल अलग-अलग है। स्पूतनिक वी लाइट और जॉनसन एंड जॉनसन के वैक्सीन का सिर्फ एक डोज ही दिया जा रहा है।

डॉक्टर सौम्या स्वामीनाथन ने आगे कहा कि 'मिक्स और मैच को लेकर सीमित डेटा ही मौजूद है। इसपर अभी अध्ययन किया जा रहा है और हमें इंतजार करना चाहिए। हो सकता है कि यह अच्छी कोशिश हो। लेकिन इस वक्त हमारे पास सिर्फ एस्ट्रेजेनिका वैक्सीन को लेकर ही डेटा मौजूद है। अगर अलग-अलग देशों के नागरिक खुद यह तय करने लगेंगे कि कब और कौन दूसरा, तीसरा और चौथा डोज लेगा तब अराजक स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। सौम्या स्वामीनाथन ने इस दौरान पूरे विश्व में वैक्सीन के एक समान डिस्ट्रिब्यूशन पर जोर दिया। सौम्या स्वामीनाथ ने साफ किया कि इस बारे में भी अभी कोई डेटा उपलब्ध नहीं है कि बूस्टर शॉट की जरुरत निश्चित तौर से है, खासकर कोरोना के खिलाफ लड़ने वाले दोनों वैक्सीन लेने के बाद। उन्होंने कहा कि इसके बजाए कोवैक्स कार्यक्रम के जरिए दवाइयों के वितरण की जरुरत है खासकर उन देशों में जिन्हें अभी अपने फ्रंट लाइन वर्क्स, उम्रदराज लोग और कीमती आबादी को इम्यून करने की जरुरत ज्यादा है।

संसद के मॉनसून सत्र से पहले लोकसभा में नेता बदलेगी कांग्रेस?, सोनिया के साथ बैठक में 'वन मैन वन पोस्ट' पर माथापच्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। 19 जुलाई से संसद का मॉनसून सत्र शुरू हो रहा है। संसद के अंदर मोदी सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस पार्टी बड़ी रणनीतिक फेरबदल करने की योजना पर काम कर रही है। संसद का सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस पार्टी ने 14 जुलाई को अपनी संसदीय रणनीतिक समूह की एक बैठक बुलाई है।

संसद सत्र के शुरू होने से ठीक पहले कांग्रेस की इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। यह बैठक पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में होनी है। यह बैठक वर्चुअल होगी जिसमें पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि इस बैठक में पार्टी संसद के अंदर मोदी सरकार को घेरने के लिए बड़े रणनीतिक फैसले ले सकती है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस, लोकसभा में अपनी पार्टी के नेता का चेहरा बदल सकती है। अब

तक लोकसभा में नेता विपक्ष के तौर पर अधीर रंजन चौधरी मोदी सरकार पर अपने तीखे सवालों की बौछार करते नजर आए हैं। लेकिन अब पार्टी अधीर रंजन चौधरी के बजाए किसी और को लोकसभा में नेता विपक्ष की बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के मूड में है। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक बैठक में लोकसभा में अधीर रंजन चौधरी को बदलने पर अंतिम फैसला होगा। साथ ही नए नाम पर भी पार्टी नेता चर्चा करेंगे।अब सवाल यह है कि पार्टी लोकसभा में इतनी बड़ी जिम्मेदारी किसे देगी? यूं तो इस लिस्ट में कई नामों को लेकर चर्चा है हालांकि, सवाल यह भी उठ रहे हैं कि क्या इस पद के लिए एक नाम राहुल गांधी भी हो सकते हैं।

कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा जा रहा था कि इस पोस्ट को लेकर सोनिया गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी की राहुल गांधी से बातचीत भी हुई है। कई पार्टी नेता यह भी मानते हैं कि अगर राहुल गांधी इस पद को लेने के लिए मान जाते हैं तो कांग्रेस अध्?यक्ष की कुर्सी पार्टी के बाहर किसी अन्?य को दी जा सकती है। यह उन 23 नेताओं की भी मांग पूरी होने जैसा होगा, जिन्?होंने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कांग्रेस में बदलाव की मांग की थी। हालांकि, राहुल गांधी खुद इस पद के लिए तैयार होंगे या नहीं? यह कहना थोड़ा मुश्किल है। हालांकि, कुछ अन्य मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि अधीर रंजन की जगह जी-23 के किसी नेता को लोकसभा में नेता विपक्ष बनाया जा सकता है। इसी ग्रुप ने संगठनात्मक चुनाव समेत कई मुद्दों को लेकर सोनिया गांधी को पत्र लिखा था। साथ ही वो लंबे वक्त से पार्टी से नाराज चल रहे हैं। अभी फिलहाल शशि थरूर, मनीष तिवारी, गौरव गोगोई, रवनीत सिंह बिट्टू और उत्तम कुमार रेड्डी आदि के नाम पर विचार किया जा रहा है।

तालिबान अपना रहा लड़ाई का नया तरीका, आम लोगों के घर में ठिकाना बना कर रहा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान ने लड़ाई का नया ढंग अपनाया है। इससे अफगानिस्तान आर्मी को तालिबान लड़ाकों पर हमला करने में मुश्किलें आ रही हैं। असल में तालिबान ने मध्य अफगानिस्तान में स्थित गजनी शहर को घेर लिया है। इसके बाद वो आम ना?गरिकों के घरों पर कब्जा करके यहां से सुरक्षा बलों पर हमले कर रहा है। गौरतलब है ?कि अमेरिकी सेना 31 जुलाई तक अफगानिस्तान को छोड़कर चली जाएगी। इस बात की घोषणा होने के साथ ही तालिबान ने यहां हिंसा और मारकाट शुरू दी थी। गजनी की प्रांतीय परिषद के सदस्य हसन रेजाई ने कहा कि गजनी? की स्थिति काफी ज्यादा खराब है। तालिबान आम नागरिकों के घरों को अपना ठिकाना बना रहा है। इससे अफगान सुरक्षा बल को उनके खिलाफ कार्रवाई करने में मुश्किलें आ रही हैं। उधर तालिबान और अफगान सरकार के बीच शांतिवार्ता कतर की राजधानी में चल रही है। हालांकि आधिकारिक जानकारियों के मुताबिक इसमें बहुत ज्यादा प्रगति नहीं है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है दोनों पक्षों के बीच कांधार के ?दक्षिणी प्रांत में तेज संघर्ष जारी है। बताया जाता है कि यह वो इलाका है जहां पर पारंपरिक रूप से तालिबान की पकड़ मजबूर रही है। अफगानिस्तान के पूर्व सांसद हामिद ललाय जो कि सुरक्षा बलों की तरफ से तालिबान के खिलाफ संघर्ष में शामिल हैं, बताते हैं कि गजनी काबुल और कांधार के बीच मुख्य रास्ता है। पिछले चार दिन से तालिबान कांधार शहर पर पश्चिमी तरफ से हमला कर रहा है। उन्होंने कहा कि अफगान सुरक्षा बल और विशेष बल तालिबान को पीछे धकेलने की कोशिश कर रहे हैं।

वहीं अफगानिस्तान एयर फोर्स के विभिन्न हवाई हमलों में कम से कम 40 तालिबानी मारे गए हैं। यह हवाई हमले रविवार को किए गए थे और अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में दक्षिणी हेलमंद प्रांत में 14 आतंकी मारे गए, वहीं गार्मसेर जिले में दो अन्य घायल हुए हैं। मारे गए आतंकवादियों मे मौलावी हिजरत नाम का आतंकी भी है जो गार्मसेर की रेड यूनिट में तालिबान का डिप्टी कमांडर था।

नेपाल में इश् केपी शर्मा ओली को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने भंग प्रतिनिधि सभा को दूसरी बार किया बहाल

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भंग प्रतिनिधि सभा को करीब पांच महीने में दूसरी बार बहाल करते हुए प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को बड़ा झटका दिया है जो सदन में विश्वास मत हारने के बाद अल्पमत सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने सोमवार को यह आदेश भी दिया कि दो दिन के अंदर नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा को प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाए।

प्रधान न्यायाधीश चोलेंद्र शमशेर राणा की अध्यक्षता वाली पीठ ने पिछले हफ्ते इस मामले में सुनवाई पूरी की थी। पीठ में उच्चतम न्यायालय के चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश- दीपक कुमार करकी, मीरा खडका, इश्वर प्रसाद खातीवाड़ा और डॉ. आनंद मोहन भट्टाराई - शामिल हैं।

राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने प्रधानमंत्री ओली की अनुशंसा पर 275 सदस्यीय निचले सदन को 22 मई को पांच महीने में दूसरी बार भंग कर दिया था और 12 व 19 नवंबर को मध्यावधि चुनाव की घोषणा की थी। चुनावों को लेकर अनिश्चितता के बीच निर्वाचन आयोग ने पिछले हफ्ते मध्यावधि चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा की थी। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन द्वारा दायर याचिका समेत करीब 30 याचिकाएं राष्ट्रपति द्वारा सदन को भंग किए जाने के खिलाफ दायर की गई थीं।

पाकिस्तानी संसद की सूरक्षा में बड़ी चूक, बाहर पिस्तौल लहराते पकड़ा गया व्यक्ति

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की पुलिस ने राजधानी की उच्च सुरक्षा वाले रेड जोन में स्थित देश के संसद भवन के बाहर पिस्तौल लहराने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। टीवी पर प्रसारित फुटेज में पारंपरिक सलवार-कमीज और पगड़ी पहने एक व्यक्ति को कई सुरक्षा बलों से घिरा देखा जा सकता है। उक्त व्यक्ति मुख्य सड़क पर एक हाथ में पिस्तौल और दूसरे हाथ में चाकू जैसी वस्तु लिए हुए नजर आ रहा है।गृह मंत्री शेख राशिद अहमद के अनुसार, सुरक्षा बलों ने बिना किसी अप्रिय घटना के व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया और जांच के लिए पुलिस थाने ले गए। उन्होंने बताया कि व्यक्ति से पिस्तौल जब्त कर ली गई है, उसमें कोई गोली नहीं थी। उन्होंने इस संबंध में और कोई जानकारी नहीं दी।मंत्री ने कहा, पुलिस मामले की जांच कर रही है और हम पता लगा लेंगे कि वह उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में कैसे घुसा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी व्यक्ति की पहचान रावलपिंडी के चक्री गांव निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति के रूप में हुई है।